मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 32
शनिवार, 09 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

जो भारत में नहीं जन्मा, उसे वोट का अधिकार नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली, 08 अगस्त। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चल रहे राजनीतिक विवाद को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्षी दल बहाने ढूंढ रहे हैं क्योंकि उन्होंने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में अपनी हार स्वीकार कर ली है। एसआईआर को लेकर हुंकार भरते हुए शाह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव किसे बचाना चाहते हैं? क्या आप उन बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं जो बाहर से आकर बिहार के लोगों की नौकरियाँ छीन लेते हैं?

शाह ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी को ये वोट बैंक की राजनीति बंद करनी चाहिए और एसआईआर, ये पहली बार नहीं हो रहा है। इसकी शुरूआत जवाहरलाल नेहरू ने की थी और 2003 में भी यही हुआ था... बिहार चुनाव हारने के बाद ये बहाने ढूँढ रहे हैं। शाह ने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने चाहिए या नहीं? भारत का संविधान उन लोगों को वोट देने का अधिकार नहीं देता जो भारत में पैदा नहीं हुए। राहुल गांधी संविधान लेकर घूम रहे हैं, उन्हें भी इसे खोलकर पढ़ना चाहिए। एसआईआर, ये इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि घुसपैठिए इनका वोट बैंक हैं।

अमित शाह ने कहा कि बिहार में बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मैं तेजस्वी यादव से पूछना चाहता हूँ, उनके पिता और माता लंबे समय तक सत्ता में रहे। गुंडागर्दी, गैंग चलाने, अपहरण करने, फिरौती मांगने के अलावा आपने मिथिलांचल के विकास के लिए क्या किया है? शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और लालू संसद में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रहे हैं...लालू एंड कंपनी को पता नहीं है कि ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, एनडीए की सरकार है। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने का किसी को हक नहीं है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी ने वैश्विक मंच पर मिथिला की कला को हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति को मधुबनी पेंटिंग भेंट की और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को भी मिथिलांचल की कला का नमूना देकर विदेश में मिथिला की कला का गौरव बढ़ाया है। माँ जानकी की जन्मस्थली पर जो यह भव्य मंदिर बनने जा रहा है, यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि मिथिलांचल के भाग्योदय की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि मिथिला, वाल्मीकि रामायण से लेकर महाभारत और बौद्ध व जैन साहित्य तक - हमारी संस्कृति का केंद्र रहा है। धर्मशास्त्र, साहित्य, संगीत, भाषा और तंत्रज्ञान का यह एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है।

आंध्र प्रदेश में गैस सिलेंडर विस्फोट में 5 लोगों की मौत

विशाखापत्तनम, 08 अगस्त। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बुक्का स्ट्रीट के पास गुरुवार को गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में पाँच लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट एक कबाड़ की दुकान में हुआ, जहाँ वेल्डिंग सिलेंडर में खराबी आ गई थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि पीड़ितों के शरीर बिखर गए और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में घरेलू गैस सिलेंडर विस्फोट में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा शुक्रवार को की। बृहस्पतिवार रात को एक वेल्डिंग की दुकान में घरेलू गैस सिलेंडर के फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में फिशिंग हार्बर के पास स्थित वेल्डिंग की दुकान में सिलेंडर विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए सरकार की ओर से अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटना में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये देने का निर्देश दिया। उन्होंने घायल व्यक्तियों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। विशाखापट्टनम की उपायुक्त-2, मैरी प्रसंथी ने बताया कि विस्फोट में तीन लोग घायल हुए हैं। प्रसंथी ने यह भी बताया कि दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

रक्षाबंधन महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के संकल्प को मजबूत करता है : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 08 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह त्योहार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा एवं उनके सम्मान के हमारे संकल्प को मजबूत करता है।

राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा कि रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार भाई-बहन के बीच प्रेम और विश्वास के अनूठे बंधन का प्रतीक है। मुर्मू ने कहा, यह त्योहार समाज में सद्भाव और एकता की भावना को बढ़ावा देता है। यह अवसर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों को संरक्षित करने का भी अवसर है। यह त्योहार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके सम्मान के हमारे संकल्प को मजबूत करता है। उन्होंने सभी से एक समृद्ध देश के निर्माण का संकल्प लेने को कहा, जहां हर महिला सुरक्षित महसूस करे और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दे सके। राष्ट्रपति भवन द्वारा साझा किए गए संदेश में मुर्मू के हवाले से कहा गया, रक्षाबंधन के पावन अवसर पर, मैं भारत और विदेशों में रहने वाले सभी साथी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।

तिरंगा लेकर बिजली निजीकरण के खिलाफ सड़कों पर उतरे कर्मचारी

- काकोरी क्रांति के शहीदों को दी श्रद्धांजलि, सार्वजनिक क्षेत्र में बिजली रखने की मांग
- 15 अगस्त तक चलेगा किसानों और उपभोक्ताओं को निजीकरण से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता अभियान

सुरेश गांधी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर शुक्रवार को बनारस के बिजलीकर्मियों ने निजीकरण के विरोध में तिरंगा रैली निकाली। काकोरी क्रांति के अमर शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्लाह खान, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान संघर्ष समिति ने 8 से 15 अगस्त तक प्रदेशभर में अभियान चलाकर किसानों और उपभोक्ताओं को निजीकरण से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करने का निर्णय लिया.

कर्मचारी विभिन्न कार्यालयों से रैली के रूप में शहीद स्मारक पहुंचे, जहाँ अमर शहीद अमर रहें और कापोरेट घरानों, पावर सेक्टर छोड़ो के नारे गूंजे। सभा में वक्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि विजन डॉक्यूमेंट 2047 में बिजली की सबसे अहम भूमिका है, इसलिए इसे सार्वजनिक क्षेत्र में बनाए रखना जरूरी है। संघर्ष समिति ने बताया कि बीते आठ वर्षों में बिजली कर्मियों के प्रयास से प्रदेश की एटी एंड सी हानियां 41 फीसदी से घटकर राष्ट्रीय मानक 15 फीसदी पर आ गई हैं। आज यूपी देश का सबसे अधिक उपभोक्ताओं को सर्वाधिक बिजली आपूर्ति करने वाला राज्य बन गया है। यह उपलब्धि सार्वजनिक क्षेत्र के कारण ही संभव हुई है। कर्मचारियों ने कहा कि किसानों, गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली केवल सार्वजनिक क्षेत्र से मिल सकती है। निजीकरण हुआ तो विजन 2047 के बजाय प्रदेश लालटेन युग में चला जाएगा। कार्यक्रम में ई. एस.के. सिंह, ई. नीरज बिंद, राजेंद्र सिंह, अंकुर पांडेय, विवेक, धर्मेंद्र यादव, देवेंद्र सिंह, रामाशीष कुमार, विपिन सिंह, योगेंद्र, के.पी. बैजू, पंकज सिंह, पंकज यादव, जितेंद्र सिंह, रवि कुमार, मोहम्मद हारिश, अरुण कुमार, रमेश सिंह समेत बड़ी संख्या में बिजलीकर्मी शामिल हुए। विजन डॉक्यूमेंट 2047 में बिजली की सबसे बड़ी भूमिका सुनिश्चित की जाए। पावर सेक्टर पूरी तरह सार्वजनिक क्षेत्र में बना रहे।

किसानों, गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को सस्ती और भरोसेमंद बिजली मिले। निजीकरण रोककर प्रदेश को लालटेन युग में जाने से बचाया जाए। एटी एंड सी हानियां 41 फीसदी से घटकर 15 फीसदी (राष्ट्रीय मानक) पर पहुँचीं। यूपी देश में सबसे अधिक उपभोक्ताओं को सर्वाधिक बिजली आपूर्ति करने वाला राज्य बना।

फर्जी वोटों के कारण 2019 चुनाव हारी थी कांग्रेस: खड़गे

नई दिल्ली, 08 अगस्त। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए वोट चोरी का आरोप लगाया। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में कांग्रेस की 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए, मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि पार्टी 2019 के आम चुनाव 'फर्जी वोटों' के कारण हारी थी। खड़गे ने कहा कि मौजूदा सरकार चोरी की सरकार है। मोदी फर्जी वोटों से इस देश को रुला रहे हैं। मैंने 2019 में यह कहा था। अपने पूरे जीवन में, मैं 2019 के चुनावों में हारा हूँ, मैं भी फर्जी वोटों के कारण हारा हूँ, जो अब सामने आया है।

बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा में राहुल गांधी के वोट चोरी के दावे को दोहराते हुए, खड़गे ने दावा किया कि चुनाव आयोग प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर काम करता है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु में हुए चुनावों में, एक विधानसभा ने 6,60,000 वोटों का सत्यापन किया है। पिछला चुनाव विश्वासघात का चुनाव था। मोदी की कोशिश है कि अगर लोग वोट न भी दें, तो मोदी और अमित शाह चुनाव आयोग को आदेश दें कि वह तय करे कि कहाँ कम वोट देना है और कहाँ ज्यादा। प्रधानमंत्री मोदी पहले ही कांग्रेस और अन्य दलों को डराकर बहुमत हासिल कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने महाराष्ट्र और कर्नाटक विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव अवैध रूप से जीते हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी उन्होंने यही चाल चली है। मोदी एंड कंपनी 2024 का चुनाव नहीं जीत पाई। उन्होंने आगे कहा कि इंडिया ब्लॉक के सांसद 11 अगस्त को दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सरकार नहीं बचेगी, हम तुम्हें जनता से दूर कर देंगे। हम उन्हें सिर्फ. गिराएँगे ही नहीं, बल्कि उन्हें सबक भी सिखाएँगे; वे खराब आर्थिक नीतियों से हमारे देश को बर्बाद कर रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि सोमवार को सभी सांसद दिल्ली में चुनाव आयोग जाएँगे और आयोग से अपील करेंगे। हमने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं की एक बैठक बुलाई है। हम सभी को एकजुट होना चाहिए, वरना प्रधानमंत्री मोदी ऐसे ही सत्ता में आ जाते।

ट्रक पलटा, तीन मजदूरों की मौत, पांच अन्य घायल

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के सदर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को ग्रेनाइट पत्थर से भरे ट्रक के पलट जाने से पत्थरों के ऊपर बैठे तीन मजदूरों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि ग्रेनाइट से भरा ट्रक गुजरात जा रहा था। ट्रक में आठ मजदूर पत्थरों के ऊपर बैठे थे।

सूचना

रक्षाबंधन पर्व की देशवासियों को हार्दिक बधाई रक्षाबंधन पर्व पर उत्तरशक्ति प्रेस एवं कार्यलय दिनांक 9-8-2025 को बंद रहेगा अगला अंक 11-8-2025 को प्रकाशित होगा।

-संपादक

प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी हैं आदिवासी

-ललित गर्ग

विश्व आदिवासी दिवस- 9 अगस्त 2025

विश्व आदिवासी दिवस, 9 अगस्त, केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभ्यता की जड़ों और संवेदनशीलता के स्रोत को स्मरण करने का दिन है। यह दिन न केवल आदिवासियों के अस्तित्व, अधिकारों यानी जल, जंगल, जमीन और उनके जीवन की रक्षा का उद्घोष है, बल्कि यह नए भारत के पुनर्निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करने का भी अवसर है। आदिवासी समाज कोई पिछड़ा समूह नहीं, बल्कि वह सांस्कृतिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण रक्षा तक, सामाजिक समरसता से लेकर आध्यात्मिक परंपराओं तक, हर दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है।

आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। ह्रजो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही वनवासी कहलाए गए, परंतु उनका जीवन दर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें ह्रपराया बना दिया है। वे भारत में रहकर भी अपने ही देश में अदृश्य नागरिक बन गए हैं, जिनके पास न राशन कार्ड है, न पहचान पत्र, न ही राजनीतिक प्रतिनिधित्व की शक्ति। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत की कल्पना में अगर ह्रसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्र का सूत्र वाक्य सार्थक करना है, तो आदिवासी पुनर्जागरण सबसे पहली शर्त है। इस दिशा में गुजरात के प्रसिद्ध जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन आदिवासी क्षेत्रों में उनके लिए संघर्ष, सेवा और सद्भाव की त्रयी बन गया है। वे वर्षों से आदिवासी समाज के उत्थान हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, रोजगार और संस्कृति संवर्धन के अभियान चला रहे हैं। उनका सुखी परिवार अभियान केवल परिवार को नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज को जागृत करने का एक जनांदोलन बन चुका है। वे आदिवासियों में आत्मबल, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता की भावना जगा रहे हैं। बालिका शिक्षा केंद्र, नैतिक शिक्षा अभियान, युवाओं के लिए स्वावलंबन कार्यशालाएं, महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, आदिवासी ग्रामोद्योग, आदिवासी संस्कृति उन्नयन और स्व-सहायता समूहों का गठन-ये सभी उनके प्रयासों का हिस्सा हैं। वे जनजातीय समाज में अहिंसा, नैतिकता और भारतीय संस्कृति के बीज बो रहे हैं, ताकि वे अपने मूल से कटे नहीं, बल्कि गौरव से जुड़े रहें।

आज आदिवासी समाज को जितना खतरा बाह्य आर्थिक और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहीं अधिक सांस्कृतिक अस्मिता के विघटन से है। धर्मान्तरण की गतिविधियों न केवल धार्मिक परिवर्तनों का परिणाम देती हैं, बल्कि उससे जुड़ी मानसिक गुलामी और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता भी पनपती है। गणि राजेन्द्र विजयजी इस खतरे को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने धर्मान्तरण के विरुद्ध शांति, संवाद और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का मार्ग अपनाया है। उन्होंने जैन धर्म के मूल्यों के साथ-साथ सभी धर्मों के सकारात्मक मूल्यों को आदिवासी जनजीवन से जोड़ा है ताकि वे किसी भी प्रकार की सांस्कृतिक हिंसा से बचें। गणिजी का स्पष्ट मत है कि हर आदिवासी को अपनी जड़ों में झांकना होगा। उसे यह पहचानना होगा कि वह केवल वनवासी नहीं, अपितु संस्कृति का संवाहक है। वे आदिवासियों को आत्म निरीक्षण की प्रेरणा देते हैं कि जो अपने मूल से कट जाता है, वह किसी भी विकास का अधिकारी नहीं बन सकता। उनका प्रयास है कि हर आदिवासी युवाओं ने शिक्षा ग्रहण की, रोजगार स्थापित किए, कुटीर उद्योगों की ओर बढ़े और सबसे महत्वपूर्ण, अपने आत्मगौरव को पुनः प्राप्त किया।

आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार की ओर अग्रसर हो रही है, तब आदिवासी समाज को भी इस बदलाव की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। तकनीक उनके जीवन में केवल बदलाव का कारक नहीं, बल्कि संरक्षण और सशक्तिकरण का माध्यम बन सकती है। एआई आधारित भाषाई अनुवाद तकनीकों से उनकी बोली और लोककथाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जा सकता है, जिससे उनकी सांस्कृतिक विरासत विश्व तक पहुंचे। ड्रोन एवं जीआईएस तकनीक से आदिवासी क्षेत्रों के भू-अधिकार सुरक्षित किए जा सकते हैं। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स, टेलीमेडिसिन और डिजिटल शिक्षा से वे दुर्गम क्षेत्रों में भी उन्नत जीवन स्तर पा सकते हैं। नवाचार तभी सार्थक होगा जब वह जंगलों में बसे एक युवा को भी ग्लोबल लर्निंग का अवसर प्रदान करे, न कि उसे अपनी जड़ों से काटे।

आज की वैश्विक दुनिया ह्रलोकल टू ग्लोबलह्र की सोच को प्रोत्साहित कर रही है और आदिवासी समाज इसमें एक अनमोल भागीदार बन सकता है। उनका पारंपरिक ज्ञान, जैविक खेती, वन औषधियों की समझ, हस्तशिल्प और पर्यावरण संतुलन की परंपराएं विश्व समुदाय के लिए एक वैकल्पिक जीवनदर्शन बन सकती हैं। इसके लिए जरूरी है कि आदिवासी युवा आधुनिक शिक्षा को अपनाएं, लेकिन अपनी संस्कृति और जीवनमूल्यों से जुड़े रहें। उन्हें अपने उद्यमिता कौशल को पहचानने और विकसित करने की आवश्यकता है, जैसे वनोपज आधारित उद्योग, इको-टूरिज्म, वन-हस्तशिल्प, संगीत-नृत्य उत्सव आदि के माध्यम से वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। डिजिटल मार्केट प्लेस के जरिए उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहुंचाया जा सकता है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा तभी पूर्ण होगी जब आदिवासी समाज भी अपने भीतर से आत्मनिर्भर बनकर आगे बढ़े। भारत की स्वतंत्रता केवल मैदानों और दरबारों में नहीं, बल्कि जंगलों और पहाड़ियों में भी लड़ी गई थी, जहाँ आदिवासी वीरों ने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला दी थी। बिरसा मुंडा जैसे अद्भुत योद्धा और आध्यात्मिक नेता ने न केवल अंग्रेजों के भूमि अधिग्रहण और धर्मान्तरण के विरुद्ध जनजागरण किया, बल्कि एक सशस्त्र संघर्ष को भी नेतृत्व प्रदान किया। झारखंड में चला उनका उलगुलान आंदोलन (महाविप्लव) आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान का एक ऐतिहासिक शिखर प्रतीक बन गया। इसी तरह सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, तेलंगाना के कोमराम भीम, भील आंदोलन के गोविंद गुरु, तेनालीराम बावरी, और नारायण सिंह जैसे अनेक आदिवासी सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध किया कि भारत की आजादी की चिंगारी सबसे पहले आदिवासी अंचलों में धधकी थी। बिरसा मुंडा और आदिवासी वीरों का आजादी में अविस्मरणीय योगदान रहा लेकिन दुर्भाग्यवश, इतिहास की मुख्यधारा में इनके योगदान को उतनी जगह नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी। आज विश्व आदिवासी दिवस हमें इन भूलाए गए नायकों को स्मरण करने, उनका गौरव गान करने और नई पीढ़ी में उनकी प्रेरणा जगाने का अवसर देता है। विश्व आदिवासी दिवस एक प्रतीक दिवस है, परंतु नीति, नीयत और निष्ठा से इसका पालन आवश्यक है। केवल भाषण, घोषणाओं और योजनाओं से आदिवासी समाज नहीं बदलेगा। उन्हें सुनने, समझने और साथ चलने की आवश्यकता है। उनके जल, जंगल, जमीन के अधिकार को कानूनी एवं नैतिक सुरक्षा हो। उनकी भाषा, परंपरा और नृत्य-संगीत को संरक्षित किया जाए। शिक्षा और स्वास्थ्य के अवसर स्थानीय सांस्कृतिक परिवेश में उपलब्ध कराए जाएं। आदिवासी नेतृत्व को राजनीतिक सशक्तिकरण मिले। नया भारत आदिवासी आत्मा के बिना अधूरा है क्योंकि भारत की आत्मा आदिवासियों की थापों में बसती है, उनके ढोल, मांदर, बांसुरी, उनके लोकगीत, उनके नृत्य और उनकी सरलता में। अब हमें नया भारत बनाना है तो हमें आदिवासी समाज के साथ खड़ा होना होगा, उनके लिए नहीं, उनके साथ। गणि राजेन्द्र विजयजी जैसे संत इस दिशा में दीपशिखा बनकर मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। इस विश्व आदिवासी दिवस पर हम केवल स्मरण नहीं, संवेदना, संरक्षण और सहभागिता के साथ इस अद्वितीय समाज के साथ जुड़ें, यही होगा सच्चा राष्ट्रधर्म।

क्या डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी हरकतों से भारत, चीन व रूस को साथ ला दिया है?

अशोक भाटिया

डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा अमेरिकी राष्ट्रपति बनने पर भारत को फायदे की उम्मीद थी। माना जा रहा था कि दोनों देशों के रिश्ते और बेहतर होंगे, लेकिन व्यापार समझौते पर बातचीत के अटकने के बाद सब कुछ उलट गया है। अमेरिका ने भारत पर उसके पड़ोसी देशों के मुकाबले सबसे ज्यादा पहले 25 फीसदी व अब 50 फीसदी का टैरिफ थोप दिया है। अब सवाल यह है कि क्या यह बदलाव भारत की विदेश नीति को ही बदल देगा और भारत-रूस-चीन (RIC) के गठजोड़ को मजबूत करेगा?

गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने करीब एक महीने बाद 2 अप्रैल को भारत समेत 69 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की। यह 9 अप्रैल से लागू होने वाला था, लेकिन ट्रम्प ने तब इसे टाल दिया। अमेरिकी प्रेसिडेंट ने कहा कि वे दुनियाभर के देशों को अमेरिका के साथ समझौता करने के लिए 90 दिनों का वक्त दे रहे हैं।31 जुलाई को समझौते की तारीख खत्म हो गई। इस दिन ट्रम्प ने 100 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया। जिन देशों ने अमेरिका के साथ समझौता किया, उन पर 10 से 20% टैरिफ लगा और जिन देशों ने ऐसा नहीं किया, उन पर 25 से 50% का टैरिफ लगा। भारत पर पहले 25% व अब 50 % का टैरिफ लगा, क्योंकि उसने ट्रम्प की शर्तें नहीं मानीं। अब भारत के प्रतिद्वंद्वी चीन से भी रिएक्शन आया है, जिसमें ट्रंप के नए टैरिफ की निंदा करते हुए अमेरिका की तुलना उस बदमाश से की है, जो दूसरों पर धौंस जमाता है। नई दिल्ली में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इशारों में अमेरिका के सामने न झुकने का संदेश दिया और कहा , 'बदमाश को एक इंच दो, तो वह मील भर ले लेगा।'इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के खिलाफ 50 फीसदी टैरिफ लगाने पर चीन से अब नई दिल?ली को बड़ा समर्थन मिला है। भारत में चीनी राजदूत शू फेइहोंग के अमेरिका को 'बुली' बताए जाने के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने बड़ा हमला बोला है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जैकून ने कहा कि अमेरिका रूसी तेल लेने पर भारत के खिलाफ टैरिफ लगाकर इसका दुरुपयोग कर रहा है। टैरिफ को लेकर चीन की एक स्पष्ट नीति है और इसका विरोध करता है। चीनी प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका तकनीक और ट्रेड के मुद्दों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। चीन का सरकारी मीडिया भी खुलकर भारत के समर्थन में लिख रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि चीन इस मौके को भुना रहा है और भारत को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहा है।

इससे पहले भारत में चीनी राजदूत ने एक्स पर एक पोस्ट करके अमेरिका पर कड़ा हमला बोला था। शू ने ट्रंप का नाम लिए बिना कहा, 'बुली को एक इंच दो तो वह एक मील ले लेगा।' भारत की तरह से ही ब्राजील भी 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहा है। यह अमेरिका की ओर से किसी ट्रेडिंग पार्टनर पर लगाया गया सबसे ज्यादा टैरिफ है। इससे पहले चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भी अमेरिका का नाम नहीं लिया लेकिन टैरिफ को हथियार के रूप में इस्तेमाल करके अन्य देशों को दबाने के फैसले की आलोचना की थी। इस बीच अमेरिका के विशेष व्यापारिक दूत स्टीव विटकॉफ और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई मुलाकात को अमेरिका ने सकारात्मक बताया है। विटकॉफ-पुतिन मुलाकात के बाद अमेरिका ने भारत पर और 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। हालांकि, चीन पर फिलहाल अमेरिका ने टैरिफ नहीं लगाया है। वाइट हाउस के एडवाइजर पीटर नवारो ने एबीसी न्यूज से साक्षात्कार के दौरान कहा कि अमेरिका रूसी तेल की खरीद पर चीन पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने में जल्दबाजी नहीं कर रहा है। हम उस बिंदु पर नहीं जाना चाहते, जहां हम वास्तव में खुद को नुकसान पहुंचाएं। चीन पहले से ही कई वस्तुओं पर 50 फीसदी टैरिफ के अधीन है।

नवारो ने आगे कहा कि वॉशिंगटन रूस के साथ चीन के ऊर्जा संबंधों पर नजर रख रहा है। हम इंतजार कर रहे हैं। तत्काल किसी कार्रवाई की कोई योजना नहीं है। पीटर नवारो की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर व्यापार दंड कड़ा कर रहा है, लेकिन यह टैरिफ युद्ध को और बढ़ाने से होने वाले आर्थिक नुकसान की चिंताओं को भी रेखांकित करता है। भारत की तरह चीन पर भी रूस से तेल खरीदने की स्थिति में अमेरिका ने 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। लेकिन, ट्रंप ने सिर्फ भारत पर ही टैरिफ लगाया है; चीन के खिलाफ ऐसी कार्रवाई से फिलहाल वह बच रहे हैं।

बताया जाता है कि व्हाइट हाउस में विदेश विभाग के प्रिंसिपल उपप्रवक्ता टॉमी पिगॉट से जब पूछा गया कि पीएम मोदी सात साल में पहली बार चीन जा रहे हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ब्राजील और चीन जैसे देशों पर अमेरिकी टैरिफ की आलोचना की है। क्या आप चिंतित हैं कि टैरिफ के खिलाफ BRICS एकजुट हो रहा है? इस पर पिगॉट ने कहा कि भारत से व्यापार असंतुलने को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप बहुत स्पष्ट हैं, विशेष रूप से रूस से तेल खरीदने के संदर्भ में। आपने देखा भी होगा कि राष्ट्रपति ने इस पर सीधेतौर पर एक्शन भी लिया है।

उन्होंने कहा कि भारत हमारा स्ट्रैटेजिक पार्टनर है, जिनके साथ हमारे अच्छे और दोस्ताना संबंध हैं, जो जारी रहेंगे। जैसे की विदेश नीति में भी होता है, आपर हमेशा अपने साझेदार देश के साथ 100 फीसदी सहमत नहीं हो सकते लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप भारत के साथ व्यापार असंतुलन को लेकर स्पष्ट है।

बहरहाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर जाएंगे। वह 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच चीन के तियानजिन शहर में आयोजित होने वाली रउड समिट में हिस्सा लेंगे। रूस भी रउड का सदस्य है, वह समिट में अपने प्रतिनिधिमंडल को भेज रहा है, लेकिन राष्ट्रपति पुतिन की उपस्थिति अब तक तय नहीं है। रउड में 9 सदस्य देश हैं, इसमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान, कजाखिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल है। पीएम मोदी की 2018 के बाद ये पहली चीन यात्रा होगी। साथ ही 2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद वह पहली बार चीन की जमीन पर कदम रखेंगे। इससे पहले जून के महीने में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षामंत्रियों की बैठक में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने एक ऐसे दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था, जिससे भारत की आतंकवाद के प्रति सख्त नीति को लेकर स्थिति कमजोर पड़ सकती थी। दुःख की बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय भारत से अपनी व्यक्तिगत खुन्नस निकाल रहे हैं। तभी तो उन्होंने सारे देशों को छोड़ सिर्फ भारत पर ही 50 फीसदी का टैरिफ ठोक दिया है। ट्रंप के दायरे में भारत ही नहीं, रूस और चीन भी आ गए हैं। इसका मतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति इस समय रूस, भारत और चीन पर एकसाथ हमलावर हो गए हैं। ऐसे में हर आदमी के मन में यही सवाल उठ रहा कि क्या ये तीनों देश मिलकर अमेरिका की दादागिरी खत्म कर सकते हैं। अमेरिका को सबसे ज्यादा लाभ ग्लोबल मार्केट में डॉलर में होने वाले ट्रेड से होता है। तो क्या, रूस-भारत और चीन मिलकर डॉलर का मुकाबला कर सकते हैं।

इस बात का जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की झुंझलाहट से ही मिल जाता है। आपको याद होगा जब ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने डॉलर का विकल्प बनाने को लेकर रूस, भारत और चीन को धमकी दी थी। ट्रंप ने कहा था कि अगर ब्रिक्स देश मिलकर डॉलर कमजोर करने की साजिश करते हैं तो इन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया जाएगा। फिलहाल भारत ने ऐसी कोई कोशिश नहीं की और उस पर ट्रंप 50 फीसदी का टैरिफ लगा चुके हैं। जाहिर है कि उनके मन में इस बात को लेकर काफी डर है कि अगर तीनों देश साथ आ गए तो डॉलर को नुकसान हो सकता है।

अमेरिकी डॉलर को टक्कर देने के लिए भारत ने भले ही अभी तक कोई खास कदम न उठाया हो, लेकिन रूस और चीन लंबे समय से कोशिश कर रहे हैं। चीन ने अपने ज्यादातर साझेदारों से स्थानीय मुद्रा युआन में कारोबार बढ़ाना शुरू कर दिया है। रूस ने भी यूक्रेन युद्ध के बाद डॉलर में लेनदेन को काफी हद तक कम किया है और अपनी स्थानीय मुद्रा में कारोबार कर रहा है। वैसे तो भारत ने भी ईरान, रूस सहित कुछ देशों के साथ रुपये में लेनदेन किया है, लेकिन अभी तक ग्लोबल मार्केट में कोई उल्लेखनीय डील स्थानीय करेंसी में नहीं हुई। हां, अगर तीनों ही देश मिलकर अपनी-अपनी करेंसी में कारोबार शुरू करते हैं तो डॉलर को कड़ी टक?कर दी जा सकती है।

ज्ञात हो कि अमेरिका को अपनी बादशाहत कायम रखने और कारोबार बढ़ाने के लिए बड़े बाजार की जरूरत है। यह बात पूरी दुनिया को पता है कि भारत और चीन दो सबसे बड़ी जनसंख्या यानी उपभोक्ता वाले देश हैं। यही दोनों देश दुनिया की फैक्ट्री भी हैं। चीन तो सबसे बड़ा उत्पादक देश है, जबकि भारत दुनिया की दूसरी फैक्ट्री बनने की राह पर है। इसका मतलब है कि यह दोनों देश न सिर्फ बड़े उत्पादक हैं, बल्कि सबसे बड़े उपभोक?ता वाले देश भी हैं। अगर रूस के साथ मिलकर ये तीनों देश अपनी मुद्रा में लेनदेन और कारोबार करते हैं तो निश्चित रूप से डॉलर को बड़ी चुनौती मिल सकती है।

भारत, रूस और चीन का आपस में कुल व्यापार भी लगातार बढ़ता जा रहा है। वित्तवर्ष 2023-24 में रूस और भारत के बीच द्विपक्षीय कारोबार 65 अरब डॉलर से ज्यादा रहा था, जबकि भारत और चीन का कारोबार 130 अरब डॉलर से अधिक रहा है। इसी तरह, रूस और चीन का कारोबार भी 200 अरब डॉलर से ज्यादा ही रहा। इस तरह, अगर तीनों देशों के बीच कुल कारोबार को देखा जाए तो यह करीब 390 अरब डॉलर के आसपास रहा है। इसके 400 अरब डॉलर से भी ज्यादा पहुंचने का अनुमान है। अगर तीनों ही देश अकेले-अकेले अमेरिका का मुकाबला करेंगे तो यह मुश्किल होगा, क्योंकि उसका कुल कारोबार चीन से भी ज्यादा है। लेकिन, अगर चीन-भारत और रूस मिलकर अमेरिका के सामने खड़े होते हैं तो यह आंकड़ा अमेरिका के कुल कारोबार से कहीं ज्यादा बैठता है। आंकड़े साफ बताते हैं कि अगर तीनों ही देश मिलकर अमेरिकी डॉलर के सामने खड़े होते हैं तो निश्चित रूप से इसका मुकाबला ग्लोबल मार्केट में कर सकते हैं।

अमेरिकी टैरिफ और हस्तशिल्प के 2 करोड़ ग्रामीण आजीविका पर संकट

अगर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के विपरीत कोई व्यापारिक नीति चलेगी, तो केवल वस्त्र ही नहीं, विश्वास भी टूटेगा। यह कथन आज भारत के करोड़ों ग्रामीण बुनकरों, दस्तकारों और हस्तशिल्प उद्योग से जुड़े परिवारों की आवाज बन चुका है। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर थोपे गए नए टैरिफ, विशेषकर हस्तनिर्मित कालीनों (हैंडमेड कारपेट), साड़ियों और टेक्सटाइल उत्पादों पर 50 फीसदी तक की दर से, न केवल व्यापारिक असंतुलन पैदा किया है, बल्कि भारत के ग्रामीण जीवन, सांस्कृतिक विरासत और रोजगार की रीढ़ पर सीधा आघात किया है

पिछले सप्ताह अमेरिकी प्रशासन ने भारत से होने वाले पारंपरिक निर्यात - जैसे कालीन, दरी, हैंडलूम, साड़ी, और टेक्सटाइलकृपर टैरिफ की दर में अप्रत्याशित वृद्धि कर दी। रिपोर्ट्स के अनुसार, पूर्व निर्धारित 25 फीसदी टैक्स के अतिरिक्त 5 फीसदी से 20 फीसदी तक की वृद्धि की गई है, जिससे कुल प्रभाव कहीं-कहीं 50 फीसदी तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी, भदोही, मिजार्पुर, शाहजहांपुर, आगरा, पानीपत, जयपुर और श्रीनगर जैसे बुनकर क्लस्टर्स में इसका सीधा असर महसूस हो रहा है। इन क्षेत्रों से हर साल हजारों करोड़ रुपये मूल्य के हस्तनिर्मित उत्पाद अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और जापान को निर्यात किए जाते हैं। अमेरिका अकेले 60 फीसदी भारतीय हैंडमेड कारपेट निर्यात का गढ़ रहा है। ऐसे में इन टैरिफ्स को व्यापारी व्यावसायिक प्रतिबंध मान रहे हैं।

व्यापार से ज्यादा सामाजिक नुकसान

विदेशी खरीदारों ने टैरिफ के बाद से नए ऑर्डर देना बंद कर दिए हैं। कई चल रहे सौदों में कीमत पुनः तय (रि-निगोसिएशन) की मांग की जा रही है, और कई ऑर्डर रद्द हो चुके हैं। क्योंकि टैक्स का बोझ सीधे उत्पाद पर आता है, इसलिए अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पाद अब महंगे प्रतीत हो रहे हैं। वहीं चीन, तुर्की और पाकिस्तान जैसे प्रतिस्पर्धी देश सरकारी सब्सिडी और कम लागत के चलते अमेरिका में पैर जमाने लगे हैं। भारत के हैंडमेड कारपेट और हैंडलूम उद्योग से करीब दो करोड़ लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं, दलित, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक और आदिवासी परिवार हैं। इनकी आजीविका पूरी तरह निर्यात पर निर्भर है। टैरिफ की मार से ये परिवार भुखमरी और पलायन की कगार पर आ सकते हैं। भारतीय हस्तशिल्प केवल व्यापार नहीं, सांस्कृतिक पहचान और सदियों पुरानी विरासत का प्रतीक हैं। जब एक भदोही का कालीन या वाराणसी की साड़ी अंतरराष्ट्रीय बाजार से बाहर होती है, तो केवल अर्थव्यवस्था नहीं, भारत की आत्मा भी कमजोर होती है।

राजनीतिक और कूटनीतिक प्रश्न

भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं, चाहे वह रक्षा, टेक्नोलॉजी, व्यापार या वैश्विक मंचों पर सहयोग हो। ऐसे में यह टैरिफ फैसला भारत के लिए न केवल आर्थिक, बल्कि राजनयिक चुनौती भी है। यदि अमेरिका भारत के पारंपरिक निर्यात पर अनुचित टैरिफ लगाएगा, तो यह डब्ल्यूटीओं की फ्री एंड फेयर ट्रेड की भावना का उल्लंघन माना जाएगा। वहीं अमेरिका अपने निर्णय को आंतरिक व्यापार संरक्षण और स्थानीय उद्योग को संरक्षण देने का तर्क देता है, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था में यह आर्थिक राष्ट्रवाद (इकोनॉमिक नेशनलिज्म) की दिशा में खतरनाक संकेत है।

व्यापार मंडलों और निर्यातकों की मांगें

उत्तर प्रदेश कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, टेक्सटाइल निर्यात संघ, अखिल भारतीय कालीन निमार्ता संघ और व्यापारिक संगठनों ने भारत सरकार से कई मांगें उठाई हैं:

1. तत्काल विशेष राहत पैकेज (इमरजेंसी रिलीफ पैकेज) की घोषणा।

2. आरटीजीएस (रियल टाइम गवर्मेंट सपोर्ट) मॉडल लागू कर बुनकरों को आर्थिक सहारा।

3. अमेरिका से राजनयिक वार्ता के जरिये टैरिफ वापस करवाना।

4. निर्यात पर सब्सिडी और टैक्स रिबेट बढ़ाया जाए।

5. वैकल्पिक बाजारों की खोज (जैसे यूरोप, मिडिल ईस्ट) को प्राथमिकता।

6. ब्रांडिंग और प्रमोशन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंडिया हैंडमेड को बढ़ावा।

उत्तर प्रदेशः सबसे बड़ा झटका

उत्तर प्रदेश के भदोही, मिजार्पुर और वाराणसी भारत के प्रमुख कालीन उत्पादक जिले हैं। यहां के 90 फीसदी बुनकर अमेरिका-आधारित खरीदारों पर निर्भर हैं। रिपोर्ट के अनुसारः भदोही में 6631 परिवार, मिजार्पुर में 1440 से अधिक गांव, और वाराणसी में हजारों महिला बुनकरें पूरी तरह निर्यात आधारित रोजगार में लगी हैं। इन पर संकट का अर्थ है - बेरोजगारी, पलायन, बाल श्रम में वृद्धि, और सामाजिक अस्थिरता।

भारत की विरासत की रक्षा करें

कालीन बुनाई भारत में मुगलकाल से विकसित हुई और वाराणसी जैसे नगरों में इसे हिंदू-मुस्लिम साझा संस्कृति के रूप में पनपते देखा गया। भदोही और मिजार्पुर की कालीनें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीआई टैग से सम्मानित हैं। इन्हें केवल ह्रकारोबारह्र कहना इनकी अस्मिता का अपमान है। अमेरिका के इस निर्णय से केवल एक व्यापारिक अनुबंध नहीं टूटा, बल्कि भारत के ग्रामीण विकास मॉडल, महिला सशक्तिकरण, और सांस्कृतिक निर्यात की भावना को भी चोट पहुँची है।

अब निर्णय का समय है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकल टू ग्लोबल का नारा दिया था, और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्टह्र (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत इन क्षेत्रों को विशेष दर्जा मिला। ऐसे में सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वहः तत्काल टैरिफ मुद्दे पर अमेरिका से उच्च स्तरीय वार्ता करे, वित्तीय सहायता पैकेज से बुनकरों को राहत दे और राष्ट्रीय स्तर पर भारत हैंडमेड उत्पादों के ब्रांड वैल्यू को पुनः मजबूत करे।

व्यापार नहीं, परंपरा का प्रश्न है यह

भारतीय हस्तशिल्प, कालीन और साड़ियों का मामला केवल निर्यात और आय का नहीं है। यह सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक न्याय और ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भरता से जुड़ा है। अमेरिका द्वारा लगाया गया टैरिफ उस कड़ी को तोड़ सकता है, जो गांव को वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि भारत सरकार, उद्योग संघ, और जनता मिलकर इस आवाज को बुलंद करेंकृकि भारत के पारंपरिक उत्पाद मात्र वस्त्र नहीं, आत्मा हैं। और इनकी रक्षा करना केवल व्यापार नहीं, राष्ट्रीय कर्तव्य है। हमें न केवल निर्यात करना है, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर जीवित भी रखना है। और उसके लिए हर टैरिफ, हर रुकावट, हर दीवार को पार करना होगा।

12000 करोड़ की कालीनें गोदामों में डंप

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी तक का टैरिफ लगाए जाने की घोषणा से उत्तर प्रदेश सहित जम्मू-कश्मीर, पानीपत, जयपुर, दिल्ली आदि के कालीन उद्यमियों में हड़कंप मचा हुआ है। सबसे अधिक प्रभाव भदोही, मिजार्पुर, वाराणसी, शाहजहांपुर और आगरा के उन लाखों कारीगरों पर पड़ा है, जिनकी रोजी-रोटी इस उद्योग पर टिकी है। निर्यातकों के अनुसार, पिछले तीन महीनों में ही अमेरिकी बाजार में भारतीय कालीनों के ऑर्डर 50 फीसदी तक घट चुके हैं। ऑर्डर रद्द हो रहे हैं, दामों पर फिर से बातचीत हो रही है और छोटे उद्यमी अमेरिकी मार्केट से बाहर निकलने को मजबूर हो रहे हैं। सीईपीसी के पूर्व प्रशासनिक सदस्य उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि भारत से तकरीबन 17000 करोड़ का निर्यात होता है, जिसमें 12000 करोड़ की कालीनें केवल अमेरिका को निर्यात होता है। अब 50 फीसदी टैरिफ लगने के बाद यह व्यापार अव्यवहारिक हो गया है। ग्राहक ऑर्डर रोक रहे हैं, कुछ ने तो पहले दिए ऑर्डर भी कैंसल कर दिए। जबकि सीईपीसी के प्रशासनिक सदस्य असलम महबूब ने भी कुछ ऐसा ही कहा. उन्होंने बताया कि कुल निर्यात का 65 फीसदी हिस्सा अमेरिका को जाता है। लेकिन अमेरिका द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने से पूर्वांचल की सबसे बड़ी हस्तशिल्प इंडस्ट्री कारपेट के निर्यातकों की नींद हराम हो गई है। अमेरिकी खरीदारों ने अभी से ई-मेल कर क्रिसमस व डोमेटेक्स फेयर में दिए गए करोड़ों के आर्डर को होल्ड पर करवाना शुरू दिए है। ऐसे में निर्यातकों के गोदामों में रखे करोड़ों के कालीन व अन्य उत्पाद न सिर्फ डंप होने, बल्कि लाखों बुनकरों की आजीविका पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है। बता दें, यूपी, दिल्ली, पानीपत, जम्मू-कश्मीर, जयपुर आदि शहरों से लगभग 12000 करोड़ का कालीन निर्यात होता है और इसकी बुनाई में लगभग 20 लाख से अधिक गरीब बुनकर मजदूर लगे हैं। उनका कहना है कि अमेरिका में हैंडमेड कालीन नहीं बनता है और उनका पसंदीदा भारतीय हैंडमेड कारपेट ही है। सीईपीसी के प्रशासनिक सदस्य रवि पाटोदिया, चेंपो कारपेट के निदेशक संजय मल्होत्रा, ओपी कारपेट के ओमप्रकाश गुप्ता व धरम प्रकाश गुप्ता, भदोही कारपेट के डायरेक्टर पंकज बरनवाल व रुपेश बदर्स एंड संस के डायरेक्टर रुपेश बरनवाल, भदोही इक्सपोर्ट के श्याम नारायण यादव व काका ओवरसीज ग्रूप के डायरेक्टर योगेन्द्र राय काका राजेन्द्र मिश्रा, आलोक बरनवाल, दीपक खन्ना राजेन्द्र मिश्रा, आलोक बरनवाल, दीपक खन्ना का कहना है कि अमेरिकी खरीदारों ने कहा है कि टैरिफ लगने से उत्पाद महंगा हो जाएगा और फिर खरीदना मुश्किल होगा। ऐसे में टैरिफ लगने से देश के निर्यातकों को 12000 करोड रुपये से अधिक का नुकसान होने की आशंका है. रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पहले से ही प्रभावित चल रहे हस्तशिल्प उद्योग को इस घोषणा से गहरा झटका लगा है.

-सुरेश गांधी

भाषा विवाद अपनी राजनीति चमकाने और अस्तित्व के लिए

महाराष्ट्र में हिंदी बोलने पर मराठी भाषियों के एक वर्ग द्वारा विरोध और मारपीट करने की घटनाएं और कुछ नहीं, बल्कि एक संवेदनशील मुद्दे की आड़ लेकर अपनी राजनीतिक जमीन को उपजाऊ बनाए रखने की कोशिश है। यह परिपाटी बन गई है कि जब भी लगे कि जनता को गुमराह कर अपना उल्लू सीधा करना है, तो भाषा की लड़ाई शुरू कर दो और यह केवल एक राज्य तक सीमित नहीं, देश भर में यह पैंतरा अपनाया जाता है। इससे किसका लाभ होता है, इसे समझना होगा।

भाषाओं का संगम : भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी और भाषावादी देश है। यहां प्रमुख रूप से और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं के अतिरिक्त लगभग 1600 से अधिक मातृभाषाएं, बोलियां हैं, जिनका अपना इतिहास, संस्कृति और साहित्य है। इस विविधता को न समझ पाने का लाभ आक्रांताओं के रूप में आए मुगलों और अंग्रेजों ने उठाया और भारतीय भाषाओं के सिर पर अपनी भाषाओं को थोप दिया। उर्दू और हिंदी मिलकर हिंदुस्तानी हो गई और अंग्रेजी राजकाज में इस्तेमाल होने लगी। जिन प्रदेशों में उनकी अपनी भाषाओं का बोलबाला था, उन पर भी अंग्रेजी लाद दी गई।

महात्मा गांधी को अंग्रेजों की चाल समझने में देर नहीं लगी। उन्होंने देखा कि हिंदी एक बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है लेकिन पूरे देश में नहीं। उन्हें लगा होगा कि हिंदी को सर्वमान्य और पूरे देश को जोड़ कर रखने वाली भाषा बनाया जा सकता है, क्योंकि लड?ा है तो अपनी एक भाषा तो होनी ही चाहिए। अगर हिन्दी को स्वीकार्य भाषा बनाना है तो सबसे पहले उन राज्यों में इसे पहुंचाना होगा, जहां उनकी अपनी भाषाएं समृद्ध तो हैं लेकिन उनके देशव्यापी बनने की संभावना नहीं है और हिंदी अपने विविध रूपों में आधे भारत द्वारा बोली और समझी जाती है। आजादी की लड़ाई में हिंदी का प्रयोग सब जानते हैं। स्वतंत्र हुए तो कुछ नेताओं पर अंग्रेजी का नशा सिर चढ़कर बोल रहा था और वे इसमें पारंगत होने की लालसा के अतिरिक्त अंग्रेजों को यह दिखाने में लगे रहते थे कि उनके जाने के बाद उन्होंने इसे पूरे देश की भाषा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जो अहिन्दी भाषी हिंदी सीखकर यह उम्मीद लगाए बैठे थे कि उन्हें रोजगार मिलने में आसानी होगी, उन्हें भारी झटका लगा क्योंकि हिंदी की कद्र तो हिंदी भाषी राज्यों में ही नहीं थी बल्कि सब जगह अंग्रेजी का बोलबाला था। इससे उन्हें अपने साथ धोखा हुआ जैसा लगा और उन्होंने हिंदी के विरोध में झंडा उठा लिया, अपनी आवाज को इतना बुलंद किया कि देश भर में हिंदी विरोध की लहर फैल गई।

सरकार की अक्षमता : सरकार की नीति के अनुसार व्यावहारिक रूप से सभी प्रशासनिक कार्य केंद्र और सभी राज्यों में अंग्रेजी में होने लगे लेकिन क्योंकि हिंदी को भी कानून में अंग्रेजी के बराबर रखा गया था, इसलिए लीपापोती भी करनी थी। विद्वानों की ऐसी मंडली बनाई, जिसने अंग्रेजी शब्दों का हिंदी में ऐसा भ्रष्ट और घटिया अनुवाद किया कि उन्हें बोलना भी मुश्किल था। उल्लेखनीय यह है कि ये सब अंग्रेजी में ही काम करते थे और उसी के पैरोकार थे लेकिन नाम हिंदी का लेते थे। ऐसे में हमारी जो क्षेत्रीय भाषाएं थीं, वे अलग-थलग पड़कर अपनी पहचान बनाने का संघर्ष करने लगीं। इसका परिणाम यह हुआ कि वे अपने प्रदेश में हिंदी प्रदेशों से नौकरी या व्यापार करने आए लोगों का विरोध करने लगे। मराठी न बोल पाने पर पिटाई कर देना इसका ही उदाहरण है।

देश में भाषा को लेकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले दल हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हुए अपनी अस्मिता, संस्कृति और यहां तक कि साहित्य और सिनेमा तक के लिए खतरा बताते हैं। एक झूठ, कि हिंदी को जबरदस्ती लादा जा रहा है, निरंतर फैलाते रहते हैं जबकि सच्चाई यह है कि हिंदी के बिना इन भाषाई ठेकेदारों का कोई अस्तित्व ही नहीं है। क्या महाराष्ट्र में हिंदी के बिना सिनेमा बन सकता है? तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में हिंदी के बिना काम चल सकता है? अन्य राज्यों की भाषाएं हिंदी के सहयोग बिना क्या अपना विस्तार कर सकती हैं? हिंदी में अनुदित या रूपांतरित होकर सभी भाषाओं का श्रेष्ठ और राष्ट्रीय तथा विश्व स्तरीय साहित्य यदि पुस्तकों, नाटकों तथा सिनेमा के माध्यम से प्रसारित होता है तो इसका अर्थ यह है कि सभी भाषाएं इसके वर्चस्व को स्वीकार करती हैं। लेकिन यह बात राजनीतिज्ञों को सबसे ज्यादा अखरती है कि उनके प्रदेश में, मिसाल के तौर पर हिंदी और मराठी भाषी लोग कैसे एक-दूसरे के साथ गलबहियां करते हैं और मिलजुल कर काम करते हैं।

समाज में सद्भावना और प्रेम को बढ़ावा देता है रक्षाबंधन : सुरेश सिंह

भायंदर (उत्तरशक्ति)। रक्षाबंधन सिर्फ भाई और बहन कि रिश्तो को मजबूत ही नहीं करता बल्कि समाज में सद्भावना और प्रेम को भी बढ़ावा देता है। यह त्यौहार हमें मिलजुल कर राष्ट्र को मजबूत करने का भी संदेश देता है। उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला महामंत्री संदीप तिवारी द्वारा प्रभाग क्रमांक 10 में आयोजित रक्षाबंधन मिलन समारोह में बोलते हुए उत्तर भारतीय मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह ने उपरोक्त बातें कही। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा के जिला अध्यक्ष दिलीप जैन ने कहा कि रक्षाबंधन बेटियों की सुरक्षा का संदेश देता है। 145 मीरा भायंदर विधानसभा चुनाव प्रमुख एडवोकेट रवि व्यास ने भी उपस्थित लोगों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में मंडल अध्यक्ष दीपक सावंत, वरिष्ठ समाजसेवी रत्नाकर मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय, मोर्चा के जिला महामंत्री कमलेश दुबे, राज्य पुरस्कृत शिक्षक वकील प्रसाद पांडे,रमाशंकर पांडे, जयराम तिवारी,ओम पांडे, रवि तिवारी, सुरेंद्र तिवारी, देवेश तिवारी,राजू राय, योगेश दुबे, वरिष्ठ समाजसेवी संतोष दीक्षित ,बृजेश सिंह, आशीष द्विवेदी, चंद्रावती त्रिपाठी,रेणु मल्लाह,अनीता राय,कृष्णा चाद,नीलम सिंह राजपूत, गीता सिंह, अनीता सिंह, माया पाण्डेय,सुरिचिता दास, आशा जायसवाल,पूजा विश्वकर्मा,दिव्या जैन, नीरज शुक्ला,जानू मिश्रा,उर्मिला पाल, निशा तिवारी,छाया वाघमारे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

देवदास मुरंजन का शिवसेना शिंदे गुट में पक्षप्रवेश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदुहृदयसम्राट स्वर्गीय बाळासाहेब ठाकरे और स्वर्गीय आनंद दिघे की विचारधारा तथा मार्गदर्शन को आत्मसात करते हुए, महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री, विधायक व गृहनिर्माण मंत्री एकनाथ शिंदे जी के आशीर्वाद से देवदास मुरंजन ने आज औपचारिक रूप से शिवसेना (शिंदे गुट) में प्रवेश किया। इस गौरवशाली अवसर पर उन्हें महाराष्ट्र हाउसिंग सेल झ कलिना विधानसभा के इमारत प्रमुख के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त कर सम्मानित किया गया। यह नियुक्ति महाराष्ट्र राज्य के मुख्य समन्वयक हेमंत खांडेडकर, रासेश्वरी ताई, तथा श्रद्धा गोरगे (ज्योतिषाचार्य व समाजसेविका) जैसे मान्यवरों की उपस्थिति और शुभ हस्तों द्वारा संपन्न हुई।देवदास मुरंजन ने इस अवसर पर पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बाळासाहेब और दिघे साहेब की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने हेतु कटिबद्ध रहेंगे और कलिना विधानसभा में पार्टी के संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लेते हैं।

डाबर रियल ने रक्षा बंधन के लिए नया कैंपेन लॉन्च किया

मुंबई। रक्षा बंधन, हमारे सबसे प्यारे त्योहारों में से एक है, जो भाई-बहन के अटूट रिश्ते का उत्सव है। यह एक ऐसा रिश्ता है जो विश्वास, प्यार, देखभाल और जीवन भर की संगति पर बना है। इस खास दिन को मनाने के लिए, भारत की अग्रणी नैचुरल हेल्थ एवं आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से देश के नंबर 1 पैकेज्ड फ्रूट ज्यूस एवं बेवरेज ब्राण्ड रियल ने अपना नया कैंपेन, बिन बोले जो साथ निभाए, वो रिश्ता रियल कहलाए लॉन्च किया है। यह कैंपेन एक दिल को छू लेने वाली कहानी है, जो भाई-बहन के रिश्तों की भावनात्मक गहराई को दशार्ती है। यह उन भाइयों का सम्मान करता है जो बिना कहे ही अपनी बहनों की रक्षा करते हैं, बिना किसी अपेक्षा के उनका साथ देते हैं और बिना शर्त प्यार करते हैं। यह कैंपेन राखी (रक्षा बंधन) की सच्ची भावना को उसके शुद्ध रूप में दशार्ता है। श्री मयंक कुमार वाईस प्रेजीडेन्ट, मार्केटिंग, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, डाबर में, हम मानते हैं कि त्योहार हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करने के लिए होते हैं। इस रक्षा बंधन पर, हमारा कैंपेन उन भाइयों का जश्न मनाता है जो चुपचाप अपनी बहनों के लिए ताकत के स्तंभ बन जाते हैं। यह उन हार्दिक रिश्तों के लिए हमारी श्रद्धांजलि है, ठीक वैसे ही जैसे हमारे पेय पदार्थों को विश्वसनीय, पौष्टिक और देखभाल से भरा बनाने का हमारा वादा है। जैसे-जैसे देश भर के परिवार इस खास दिन को मनाने के लिए एक साथ आते हैं, डाबर का रियल ब्रांड अपने दिल को छू लेने वाले रक्षा बंधन बिन बोले जो साथ निभाए, वो रिश्ता रियल कहलाए टीवीसी कैंपेन के साथ इस प्यारी परंपरा की आत्मा को खूबसूरती से दशार्ता है। हम सभी को प्यार और स्वास्थ्य का एक ग्लास उठाने और प्यार, विश्वास और आजीवन संबंधों के उन खास पलों को संजोने के लिए आमंत्रित करते हैं, क्योंकि कुछ रिश्तों के लिए रियल की अच्छाई से कम कुछ भी नहीं चाहिए।

अवैध तंबाकू व्यापार से निपटने के लिए स्रोत और ट्रांजिट देशों के साथ बातचीत जरुरी: पीएमआई

मुंबई। नकली सामान, अवैध व्यापार और ब्रांड सुरक्षा पर हाल ही में हुए दो दिन के एशिया सुरक्षा सम्मेलन और प्रदर्शनी 2025 मेंरॉडनी वैन डूरेन, हेड - इलिसिट ट्रेड प्रिवेंशन, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल (पीएमआई) ने कहा कि अवैध तंबाकू व्यापार को रोकने के लिए उन देशों के साथ लगातार सरकार-से-सरकार बातचीत जरूरी है, जहां से यह सामान आता है या जिनके रास्ते से होकर गुजरता है। उन्होंने कानून लागू करने वाली एजेंसियों, नीति निमार्ताओं, सुरक्षा समाधान देने वालों और ब्रांड मालिकों से कहा कि अवैध तंबाकू उत्पाद नियमों की कमियों और निगरानी की कमी का फायदा उठाते हैं। इसे रोकने के लिए तुरंत ध्यान देने और सीमा शुल्क के अलावा अन्य मंत्रालयों के बीच आपसी तालमेल की जरूरत है।

धरती आबा योजना से आदिवासी समाज के विकास को मिली नई गतिः आदिवासी विकास मंत्री प्रो. डॉ. अशोक उईके

मंत्री प्रो. डॉ. अशोक उईके ने पालघर में लाभार्थियों व छात्राओं से की सीधी बातचीत

पालघर (उत्तरशक्ति)। आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार 7 अगस्त 2025 को महाराष्ट्र के पालघर जिले में आदिवासी विकास मंत्री प्रो. डॉ. अशोक उईके ने जिलाधिकारी कार्यालय के नियोजन सभागृह में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छात्राओं और लाभार्थियों से सीधे संवाद साधा।

इस अवसर पर विधायक राजेंद्र गावित, हरिश्चंद्र भोये, विनोद निकोले, कोकण विभागीय आयुक्त विजय सूर्यवंशी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा), जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अपर आयुक्त आदिवासी विकास ठाणे गोपीचंद कदम, अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगरे, प्रकल्प अधिकारी व सहायक जिलाधिकारी विशाल खत्री, सहायक प्रकल्प अधिकारी दीपक टिके समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस मौके पर अपने संबोधन में डॉ. उईके ने कहा कि 1972 से ही आदिवासी समाज के लिए अलग से विभाग की स्थापना की गई थी और तब से ही समाजकल्याण एवं आदिवासी विकास के लिए स्वतंत्र बजट व योजनाएं बनाई गईं। आज शासकीय आश्रम विद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार लाकर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व व प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के विकास पर जोर दिया जा रहा है। मंत्री ने क्रांतिवीर राघोजी भांगरे शिष्यवृत्ति योजना के अंतर्गत गुणवंत विद्यार्थियों का घर-घर जाकर सम्मान किए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि ₹जब समाज विद्यार्थी और उनके माता-पिता को सम्मानित करता है, तो उनमें नवचेतना और प्रेरणा का संचार होता है।₹ डॉ. उईके ने बताया कि धरती आबा योजना के माध्यम से खेती, सिंचाई, जल व्यवस्था, बीज, खाद, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसी आधारभूत सुविधाओं को सीधे आदिवासी परिवारों तक पहुंचाया जाएगा। इस योजना से अनुसूचित जनजातियों के प्रत्येक परिवार को लाभ मिलेगा।

मंत्री उईके ने जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ के काम की सराहना करते हुए कहा कि 2019 में गढ़चिरौली में प्रकल्प अधिकारी रहते हुए उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया था। अब पालघर में उनके नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी परिवार सरकारी योजना से वंचित न रहे।₹ पालघर जिले की 654 ग्राम पंचायतों के 1 लाख 81 हजार 552 परिवारों तक धरती आबा योजना सहित सभी कल्याणकारी योजनाएं पहुँचाने का लक्ष्य तय किया गया है। मंत्री उईके ने पालघर स्थित शासकीय छात्रावास का निरीक्षण कर छात्राओं से सीधी बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनीं और भोजन तथा रहने की व्यवस्थाओं की गुणवत्ता की समीक्षा की। इस दौरान गुणवंत छात्राओं का सत्कार, लाभार्थियों को धनादेश वितरित, तथा 9 ऑटो रिक्शा का वितरण भी उनके हाथों से किया गया।

कृष्णा कदम आदर्श समाज रत्न पुरस्कार से सम्मानित किए जायेंगे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मातृभूमि सोशल फाउंडेशन की ओर से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों को राज्य स्तरीय आदर्श समाज रत्न पुरस्कार से सम्मानित करेगा। यह पुरस्कार समारोह रविवार, 24 अगस्त, 2025 को पुणे में पत्रकार भवन के पास, गंजवे चौक पर आयोजित किया गया है। उक्त जानकारी संस्थापक अध्यक्ष अशोक पाटिल ने दी है। इसी कड़ी में

कृष्णा कदम जो कि मेडिकल कक्ष के संस्थापक हैं और पिछले चार वर्षों से इस संस्था के माध्यम से मरीजों और जरूरतमंद नागरिकों के लिए बहुमूल्य कार्य कर रहे हैं। खास बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों के लिए शहर के अस्पतालों में बिस्तर उपलब्ध कराना, रक्त उपलब्ध कराना, विकलांगों की मदद करना आदि शामिल हैं। कई संगठनों ने कृष्णा कदम को उनके सामाजिक कार्यों के लिए पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया है। मातृभूमि सोशल फाउंडेशन के अशोक पाटिल ने बताया कि कदम को राज्य स्तरीय आदर्श समाज रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया जायेगा।

नमो नमो मोर्चा भारत व हार्ली लंदन -दी हार्ली क्लब के बीच ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी पर लगी मुहर

मुंबई(उत्तरशक्ति)। देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय सामाजिक संगठन ₹नमो नमो मोर्चा भारत₹ और लंदन स्थित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्था हार्ली लंदन (दी हार्ली क्लब) के बीच 7 अगस्त को मुंबई के प्रसिद्ध होटल ऑर्चिड में एक ऐतिहासिक और उच्चस्तरीय रणनीतिक बैठक संपन्न हुई।

इस बैठक का उद्देश्य सामाजिक सशक्तिकरण से जुड़े विविध क्षेत्रों में सहयोग को मजबूती देना और भविष्य की संयुक्त कार्ययोजनाएं तैयार करना था। बैठक में मुख्य रूप से महिला एवं युवा सशक्तिकरण, कृषि व किसान कल्याण, ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता, तथा स्थायी कौशल विकास जैसे अहम मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा हुई। बैठक में हार्ली लंदन क्लब की ओर से सीवीओ संजीव कुमार, डायरेक्टर अमित कपूर, तथा नमो नमो मोर्चा भारत की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सोपान उंडे पाटील, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर.के. दिवाकर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा और राष्ट्रीय विधि सलाहकार ?ड. विकास थोरात सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के प्रमुख उद्देश्य और प्रस्तावित योजनाएं निम्लिखित रही। 1. महिलाओं और युवाओं को स्वास्थ्य, वेलनेस एवं रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक एवं सक्षम बनाना। 2. आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेष परियोजनाएं शुरू करना। 3. कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देते हुए किसानों को स्वास्थ्य सेवाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराना। 4. ग्रामीण युवाओं को व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार योग्य बनाना।

इस अवसर पर यह भी उल्लेख किया गया कि नमो नमो मोर्चा भारत पहले से ही देशभर में अनेक सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, जिसमें ग्रामीण विकास, रक्तदान अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सम्मान और आपदा राहत कार्य जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों संस्थाएं मिलकर समाज के वंचित वर्गों के लिए ठोस और स्थायी विकास योजनाएं क्रियान्वित करने की दिशा में काम करेंगी।

विप्र फाउंडेशन द्वारा धूमधाम से मनाया गया उद्योगपति पं. रविकांत पांडेय का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। विप्र फाउंडेशन बोईसर की ओर से समाज रत्न, सफल उद्योगपति व समाजसेवी पं. रविकांत पांडेय का 55वां जन्मदिन गुरुवार 7 अगस्त को धूमधाम से मनाया गया। तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र अंतर्गत स्थित आभा टेक्सटाइल्स इंडस्ट्रीज परिसर में आयोजित समारोह में वैदिक मंत्रोच्चार व स्वस्तिवाचन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

इस मौके पर विप्र फाउंडेशन की ओर से पं. रविकांत पांडेय को शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें सावन माह की महत्ता के साथ जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में समाजसेवा के क्षेत्र में पं. पाण्डेय के योगदान की सराहना करते हुए फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे ने कहा कि उद्योजक पांडेय का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। वे औद्योगिक क्षेत्र में सफलता के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी सदैव अग्रणी रहे हैं। इस समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी एड. शोभनाथ त्रिपाठी, पितामह उपाधि प्राप्त स्वामीनाथ पांडेय, श्रीराम पांडेय, बृजेश चंद्र पांडेय, कुलदीप मिश्रा, रामभवन त्रिपाठी, श्रवण मिश्रा, अखिलेश पांडेय, विरेंद्र तिवारी, विवेक चौबे, सुशील तिवारी, सोनू पांडेय, युवा कवि वरुण मिश्रा, वरुण चौबे, राकेश पांडेय, संदीप जोशी, पवन पांडेय, अरविंद तिवारी, मनोज पांडेय सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने पं. रविकांत पांडेय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके सामाजिक योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

बजाज समूह के शिशिर बजाज को मिला वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित सर्वोत्तम नागरिक सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के प्रतिष्ठित होटल सहारा स्टार में आयोजित एक भव्य समारोह में बजाज फाउंडेशन के चेयरमैन और बजाज समूह के वरिष्ठ मार्गदर्शक शिशिर बजाज को सर्वोत्तम नागरिक सम्मान -2025 से सम्मानित किया गया।

महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस सम्मान समारोह में महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति श्रीराम शिंदे तथा सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार द्वारा अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ सम्मान मूर्तियों का सत्कार किया गया।सर्वोत्तम नागरिक सम्मान, मेघा श्रेय फाउंडेशन और श्रीमती सीमा सिंह द्वारा उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने समाज में अपने निःस्वार्थ समर्पण और सेवा के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में मिसाल कायम की है। इस वर्ष के समारोह में पद्मविभूषण डॉ. अनिल काकोडकर, पद्मभूषण डॉ. विजय भटकर, पद्मश्री डॉ. शंकर महादेवन, फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली, पद्मभूषण अनुपम खेर और पद्मश्री विजेंदर सिंह जैसे कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्त करने के बाद श्री शिशिर बजाज ने कहा कि हमारे मूलभूत सामाजिक प्रयास 1926 से शुरू हुए, जब मेरे दादाजी श्री जमनालाल बजाज ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को समर्थन देने के लिए बजाज समूह की स्थापना की। उन्होंने बताया कि 1932 में उत्तर प्रदेश में हमारी पहली शुगर फैक्ट्री स्थापित की गई, जिसका उद्देश्य भारत को चीनी उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना था। तब से समूह ने व्यवसाय और सीएसआर दोनों क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण और भारतीय गाँवों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आज हम राजस्थान में मेरी जन्म स्थली सीकर जिले के 1000 गाँवों में और मेरे दादाजी की कर्मभूमि महाराष्ट्र के वर्धा जिले के 1000 से अधिक गाँवों में समाज कल्याण के कार्य कर रहे हैं।

हमारा लक्ष्य ग्रामीण भारत के प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों का बहुमुखी विकास करना है, क्योंकि यह लक्ष्य विकसित और आत्मनिर्भर भारत के उस निर्माण में अहम भूमिका निभाता है, जिसकी परिकल्पना हमारे प्रधानमंत्री जी ने 2047 तक के लिए निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि बजाज फाउंडेशन, श्री शिशिर बजाज और उनके पुत्रों कुशाग्र बजाज एवं अपूर्व बजाज के नेतृत्व में ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। फाउंडेशन ने वर्धा, सीकर और ललितपुर जिलों के गाँवों में वर्षा जल संचयन, नदी पुनर्जीवन, सूक्ष्म सिंचाई, प्राकृतिक खेती, बागवानी, किसान पाठशालाएँ, महिला स्व-सहायता समूह, सौर पंप और बायोगैस संयंत्र जैसे नवीकरणीय ऊर्जा समाधान, किसान उत्पादक संगठन, और परिवर्तनकारी शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से 6 लाख से अधिक परिवारों को सशक्त किया है, जिससे लगभग 22 लाख लोगों के जीवन में सुधार हुआ है। नेशन बिल्डिंग थ्रू बिजनेस एंड सर्विस की विचारधारा के तहत, बजाज समूह भारत के सबसे सम्मानित और विविधीकृत औद्योगिक समूहों में से एक के रूप में स्थापित हुआ है। कुशाग्र बजाज के नेतृत्व में समूह की प्रमुख कम्पनियों में शामिल है, बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड जो भारत की सबसे बड़ी एकीकृत चीनी कम्पनी है और उत्तर प्रदेश में 14 चीनी मिलों और 6 एथेनॉल संयंत्रों का संचालन करती है। एक अन्य कम्पनी बजाज एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, उत्तर प्रदेश में 6 पावर प्लांटों का संचालन करती है, जिनमें 1,980 मेगावाट क्षमता वाला ललितपुर पावर जेनरेशन कम्पनी लिमिटेड का सुपर- क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन भी शामिल है, जो राज्य की लगभग 10% बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करता है। इसी प्रकार बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड अपने प्रमुख उत्पाद बजाज आमंड ड्रॉप्स हेयर ऑयल के साथ प्रीमियम हेयर ऑयल कैटेगरी में अग्रणी है। समाज सेवा और औद्योगिक उत्कृष्टता के अद्वितीय संगम के रूप में श्री शिशिर बजाज को मिला सर्वोत्तम नागरिक सम्मान पुरस्कार, उनके अभूतपूर्व योगदान की सच्ची पहचान है।

नारियल पूर्णिमा के अवसर पर आगरी कोली समाज का भव्य शोभा यात्रा

विधायक विश्वनाथ भोईर के मार्गदर्शन में शोभायात्रा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में नारियल पूर्णिमा के अवसर पर आगरी कोली समाज उत्कर्ष मंडल की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

कल्याण के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से गणेश घाट तक शोभायात्रा निकाली गई।

इस शोभायात्रा में आगरी कोली समाज के बंधुओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण की थी, वहीं बैलगाड़ी पर सजाई गई होली और सोने का नारियल शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रहा। इस मौके पर विधायक विश्वनाथ भोईर ने कहा कि कल्याण डोंबिवली में आगरी कोली समाज का वर्चस्व रहा है। इस लिए पालिका में महापौर आगरी कोली समाज का होना चाहिए इस शोभायात्रा में शिंदे गुट के शहर प्रमुख रवी पाटिल, प्रेमनाथ म्हात्रे, वरुण पाटिल, सुनील वायले पाटिल, डॉक्टर प्रशांत पाटिल तथा बड़ी संख्या में आगरी कोली बंधु उपस्थित थे।

नितिन गडकरी को मराडेपाड़ा में शिवाजी महाराज मंदिर के दर्शन के लिए किया आमंत्रित

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को उनके दिल्ली आवास पर शिवक्रांति प्रतिष्ठान के संस्थापक राजूभाऊ चौधरी ने भिवंडी तालुका के माराडेपाड़ा में छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर के दर्शन के लिए आमंत्रित किया है। बतादें कि गुरुवार को भिवंडी लोकसभा सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने नितिन गडकरी से उनके दिल्ली आवास पर सद्भावना मुलाकात की। इस अवसर पर संस्था के ट्रस्टी कैलास महाराज निचिते और संभाजी रविकांत पाटिल उपस्थित थे। इस अवसर पर शिवक्रांति प्रतिष्ठान की ओर से गडकरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया । राजाभाऊ चौधरी ने मंदिर सहित संस्था की आगामी गतिविधियों की जानकारी दिया वहीं मंत्री गडकरी ने संस्था के शिव कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में श्री छत्रपति शिवाजी महाराज का शक्तिपीठ बनाकर उन्होंने महाराष्ट्र का गौरव बढ़ाया है तथा शिवक्रांति प्रतिष्ठान के सभी साथियों को शुभकामनाएं दी तथा शीघ्र ही श्री छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर (शक्तिपीठ) के दर्शन करने का आश्वासन दिया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

रक्षा रक्षाबंधन पर बहनों को सहयात्री के साथ तीन दिन बस में मुफ्त यात्रा

- आज भाइयों की कलाई पर सजेगी भाई बहन के अटूट प्रेम की राखी
- रक्षाबंधन त्योहार का महत्व भैया मेरे पति की जान बचा लिजिए...
- एसडीएम ने पार्वती को बहन कहते हुए दिया आश्वासन रक्षाबंधन पर जगी उम्मीद
- राशन कार्ड आवेदक को अपात्र बनाने में नहीं चूकते पूर्ति निरीक्षक शाहगंज

डॉ.इम्तियाज अहमद/शिवकुमार प्रजापति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि रक्षा बंधन के अवसर पर प्रदेश सरकार तीन दिनों तक महिलाओं और बेटियों को एक सहयात्री के साथ निशुल्क यात्रा की सुविधा देगी। मुख्यमंत्री ने सपा की पीडीए पाठशाला पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के पास कोई ठोस एजेंडा नहीं है। मुरादाबाद में उन्होंने परियोजनाओं के शिलान्यास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि 8, 9 और 10 अगस्त को बहनें व बेटियां उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में अपने एक सहयात्री के साथ निशुल्क यात्रा कर सकेंगी। उन्होंने कहा, अब योजनाओं का लाभ पात्रों को बिना किसी भेदभाव के दिया जा रहा है। विगत दिनो सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनपद जौनपुर तहसील शाहगंज के उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव को ग्राम पक्खनपुर एक महिला ने आंसू भरी आंखों से एसडीएम के हाथ पर राखी बांधते हुए कहा, भैया, मेरे पति की जान बचा लीजिए। पार्वती के पति अशोक यादव पिछले दस वर्षों से अधिक समय से माउथ कैंसर से पीड़ित हैं। महिला ने रोते हुए कहा कि इलाज में काफी पैसा खर्च हो चुका है और अब उनके पास आर्थिक संसाधन नहीं बचे हैं।परिवार के पास राशन कार्ड और आयुष्मान

कार्ड भी नहीं है। साथ ही उनके घर का बिजली बिल भी अत्यधिक आया है। मामला समझने के बाद एसडीएम ने तत्काल सप्लाई इंस्पेक्टर शिव शंकर यादव और बिजली विभाग के एसडीओ को बुलाकर राशन कार्ड बनाने और बिजली बिल सही करने का निर्देश दिया।एसडीएम ने पार्वती को बहन कहते हुए आश्वासन दिया कि उनकी हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री राहत कोष से औपचारिकताएं पूरी कराई जाएंगी, जिससे उनके पति के कैंसर का इलाज हो सके। एसडीएम कुणाल गौरव के सामने रोती बिलखती मजबूर महिला जो दर दर राशन कार्ड के लिए ठोकर खाई। पर पूर्ति विभाग के जिम्मेदार पूर्ति निरीक्षक राशन कार्ड के लिए भटकाता रहा, या फिर पीड़ित महिला राशन कार्ड के लिए अनुरोध ही नहीं कि, आखिर राखी के पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन पर एसडीएम के एक आदेश पर राशन कार्ड बनाने के लिए पूर्ति निरीक्षक कैसे तैयार हो गया। और पात्र बनाया। ऐसे ही पीड़ित प्रतिदिन दर दर की ठोकरे खा रहे हैं पर पूर्ति निरीक्षक पात्र को भी अपात्र बनाने में नहीं चूकता। शाहपंजा निवासी नया राशन कार्ड हेतु आवेदिका को छः बार पूर्ति निरीक्षक द्वारा स्थलीय निरीक्षण में पात्र घोषित किया गया बाद में विशेष मांग न मागने पर अपात्र घोषित कर दिए, ऐसे में क्या तहसीलदार शाहगंज द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र फर्जी है जिसे खाद्य एवं पूर्ति निरीक्षक नजर अंदाज कर दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन त्योहार पर की घोषणा

महिलाओं को सुविधा,पहली बार महिलाएं तीन दिन तक रोडवेज बस में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। अभी तक दो दिन ही सुविधा रहती थी।आठ अगस्त को सुबह छह बजे से लेकर 10 अगस्त की मध्य रात्रि 12 बजे तक बस में मुफ्त सफर कर सकेंगी। एसी एवं नॉन एसी सभी श्रेणी की बसों में ये सुविधा मिलेगी। यूपी से दूसरे राज्यों में जाने वाली बसों में भी महिलाएं निशुल्क यात्रा कर सकेंगी।

रक्षाबंधन पर राखी बांधने का मुहूर्त

रक्षाबंधन के दिन यानी 9 अगस्त को राखी बांधने का मुहूर्त सुबह 5 बजकर 47 मिनट से लेकर दोपहर 1 बजकर 24 मिनट तक रहेगा, जिसकी अवधि 7 घंटे 37 मिनट की रहेगी।

धारदार हथियार से युवक के गर्दन को रेता

रेणुकूट,सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। अमवार चौकी क्षेत्र के भिसुर गांव में एक युवक चाकू से गर्दन रेतकर बुरी तरह से घायल कर दिया। वृहस्पतिवार को दोपहर करीब एक बजे कनहर परियोजना के डूब क्षेत्र के भिसुर गांव में जानलेवा हमला कर, शंभु खरवार 45 पुत्र लखपत खरवार के गर्दन पर चाकू से बुरी तरह रेतकर काट डाला जिससे युवक बुरी तरह से जख्मी हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अमवार चौकी इंचार्ज मख्खन लाल पहुँच कर घायल युवक को एम्बुलेंस से सीएचसी दुद्धी भेजा। जहाँ पहले से दुद्धी हॉस्पिटल में पहुँचे कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने घायल युवक को एम्बुलेंस से उतारकर भर्ती कराया। जहाँ चिकित्सक डॉ.विनोद सिंह ने गर्दन पर रेता हुआ गंभीर हालात को देखते हुए प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घायल युवक की पत्नी मानमती देवी, सास संगीता, बिटिया सोनी खरवार ने बताई की हम सभी लोग दुद्धी बाजार में मजदूरी करने आए थे। साथ मे ही मजदूरी करने वाला युवक गुड्डू मिस्त्री पुत्र नजीर निवासी खजूरी थाना दुद्धी निवासी ने भिसुर गांव में पहुँच कर। शंभु खरवार के गर्दन पर चाकू से रेतकर फरार हो गया। अभी घटना की जानकारी नही मिल पाई है। इस तरह से हमला कर हत्या का प्रयास क्यों किया है। जो बुरी तरह से जख्मी है। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया कि शंभु खरवार के गर्दन पर बुरी तरह से हमला हुई है।

घायल युवक को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हमला करने वाला गुड्डू मिस्त्री को पुलिस खोज रही है। मिलने विधिक कार्यवाही की जाएगी अभी युवक पुलिस पकड़ से बाहर है।

डीएम, सीडीओ और पुलिस के जवानों ने बंधवाई रखी

काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव पर प्रदर्शनी का किया गया अवलोकन, वीर सपूतों को याद कर किया गया नमन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्ति के अद्वितीय अध्याय काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगाठ के शताब्दी महोत्सव के समापन कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में किया गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह ह्लप्रिन्सूह्ल, जिलाध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र सहित अन्य गणमान्य के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। सदस्य विधान परिषद के द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्ति के अद्वितीय अध्याय काकोरी ट्रेन एक्शन की प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। उन्होने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।लखनऊ में आयोजित काकोरी महोत्सव के कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को देखा गया और मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना गया।शताब्दी महोत्सव कार्यक्रम भूतपूर्व सैनिक कैप्टन अजीत पांडे, राजबहादुर पाल, के.के. सिंह, लालचन्द मौर्य, संतोष कुमार यादव, देवेन्द्र कुमार सिंह, पन्ना लाल, राम निरंजन सहित अन्य भूतपूर्व सैनिको और स्वतन्त्रता सेनानी के परिजनों और एनसीसी के अधिकारियों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सदस्य विधान परिषद ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना अंग्रेजो को चुनौती देने वाली घटना थी। इस घटना ने पूरे भारत को एक सूत्र में पिरो कर राष्ट्रवाद और स्वतन्त्रता के लिए सबको प्रेरित किया। जन-जन में देश के आजादी के

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों, भूतपूर्व सैनिकों का किया गया सम्मान, दिलाई गई स्वच्छता की शपथ

लिए एक भावना जागृत किया कि देश को आजाद कराना ही है। जिलाधिकारी ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना अंग्रेजों के लिए एक चुनौती थी। हमारे देश के वीरों ने अपने प्राणों को राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। उस दौर को याद करने पर हमारी आंखो में आंसू आ जाएंगे। हम सभी आज उन वीर सपूतों, शहीदों स्वतत्रंता संग्राम सेनानियों को नमन करते है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आज का दिन उन वीरों को याद करने का दिन है जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया।

बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल ने देश भक्ति गीत ह्लए मेरे प्यारे वतन तुझपे दिल कुर्बान और हर करम अपना करेंगे, ए वतन तेरे लिएह्लह्ल गाकर सबको राष्ट्रप्रेम से ओत प्रोत कर दिया।मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा उपस्थित लोगों को स्वच्छता के लिए शपथ दिलायी गई। विवेक मिश्रा वरदान, कुसुमलता, विकास सिंह रागी और टीडी इन्टर कालेज की अनुराधा ने देश भक्ति गीत गाया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट इन्दनन्दन सिंह, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित भूतपूर्व सैनिकगण सहित अन्य उपस्थित रहे। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट परिसर में रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर उ0प्र0 राज्य ग्रामीण अजीविका मिशन के तत्वाधान में रक्षाबन्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वयं सहायता

समूह की महिलाओं और छात्राओं ने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और पुलिस के जवानों की कलाईयों में राखी बांधते हुए उनके दीर्घायु और स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान नवचयनित पुलिस के लगभग 1000 जवानों के कलाइयों में राखी बांधी गई। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी।

फर्जी पट्टे के नाम पर चक मार्ग सड़क का रामनगर ब्लॉक पर दबंग द्वारा किया जा रहा कब्जा

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आपको बताते चले कि जौनपुर जिले के रामनगर ब्लॉक के गाँव मे दबँगो द्वारा चक मार्ग और पी.डब्लू.डी सड़क के जमीन को हल्का लेखपाल के मिली भगत से कब्जा कर निर्माण किए जाने को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को उपजिलाधिकारी मड़ीयाहूँ से सिकायत किया ।उन्होंने कहा कि पट्टे की भूमि बताकर चक मार्ग और सड़क की भूमि को कब्जा किया जा रहा हैं ।लेकिन इस अबैध कब्जे को रोका जाना न्याय हित मे जरूरी हैं। बतादे कि 07 सात अगस्त को रामनगर गाँव की पुष्पा देवी, जय प्रकाश, राजमनी पटेल, रामआसरे, प्रदीप तिवारी, ओम प्रकाश यादव, मडीयाहूँ तहसील में पहुंचकर उपजिलाधिकारी मडियाहू को शिकायत पत्र देकर अवगत कराया कि रामनगर गांव का हल्का लेखपाल अवैध कब्जा कराने में माहिर है। जिसके कारण भ्रष्टाचार

निवारण टीम ने उन्हें जेल भी भेज चुका है। इस समय जमानत से लेखपाल बाहर हैं फिर भी ऐसे अवैध कार्य करवा रहे हैं। सोचने वाली बात है कि जहां उत्तर प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार को रोकने में लगी हुई है। वही ऐसे कर्मचारी अधिकारी सरकार की मंसूबों पर पानी फेर रहे हैं। लेखपाल सुरक्षित भूमि 62 पर गांव के कुछ दबंगों द्वारा फर्जी पट्टे के आधार पर अवैध कब्जा करा रहे हैं। जिस भूमि पर कब्जा हो रहा है उस भूमि का संपूर्ण अंश चक मार्ग में है। शेष भूमि आराजी नंबर 28 मड़ीयाहूँ नेवढ़ीया मार्ग का हैं। इसके अलावा शेष अन्य किसी प्रकार का वहां पर जमीन नहीं बच रहा है। अवैध निर्माण होने से ग्राम सभा की संपत्ति का काफी नुकसान होगा उक्त फर्जी पट्टा के वाबत मंसुखी के बाद भी सक्षम न्यायालय के विचाराधीन है। सभी ग्रामवासियों ने उप जिला अधिकारी से मांग किया है कि यथाशीघ्र दबंगों द्वारा कब्जा करने से रोका जाय। जिससे कि सभी ग्रामीणों को न्याय मिल सके, और हो रहे भ्रष्टाचार अंकुश लगे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन का शपथ ग्रहण समारोह हुआ संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के मोतीलाल सोनी (मंडल अध्यक्ष), प्रेम शर्मा (मीडिया प्रभारी) बदलापुर के द्वारा आज बदलापुर खुर्द में राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का

शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य मानवाधिकारों को प्रोत्साहित करना एवं संगठन में सभी को एकजुट होना और उनकी रक्षा हेतु विभिन्न आयोगों के बीच तालमेल एवं संगठन को बढ़ाना था। शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के यशस्वी प्रदेश सचिव एवं जिला अध्यक्ष विनय जायसवाल ने विभिन्न आयोगों के बीच सहयोगात्मक कामकाज के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नियमित अंतराल पर वैधानिक पूर्ण आयोग के सदस्यों की संयुक्त बैठकें आयोजित करने और मामलों के लिए सभी आयोगों की वेबसाइटों को हाइपरलिंक करने हेतु एक तंत्र बनाने का सुझाव दिया। और समारोह में उपस्थित हुए कुछ लोगों की शिकायतों को संज्ञान में लेकर मुख्य अधिकारी से संपर्क सूत्र द्वारा अवगत कराया और उनकी समस्या को निष्पक्ष जांच करवा कर दूर करने के लिए भी कहा। जायसवाल ने कहा कि यह संगठन एक ऐसा संगठन है। जो संविधान अंतर्गत दिए गए मनुष्य के अधिकारों की रक्षा करता है। यह संगठन समाज के हर एक वर्ग का चाहे वह उच्च जात का हो चाहे वह निम्न जाति का हो सबके अधिकारों की रक्षा करता है। अगर आपको किसी भी प्रकार की समस्या हो तो आप राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन से संपर्क करें।जिला उपाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने समाज के सभी वर्गों तक विविध कल्याणकारी योजनाओं का पहुंचना सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। देश के अनूठे संस्थागत मानवाधिकार संरक्षण ढांचे का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन संस्थाओं के बीच इस तरह की बातचीत मानवाधिकारों के प्रमुख मुद्दों पर एक साझा मंच बनाने और पीड़ितों को सामूहिक रूप से त्वरित राहत सुनिश्चित कराने की दृष्टि से उपयोगी है। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र कुमार चौहान ने किया ब्लॉक अध्यक्ष मोतीलाल सोनी ने आए हुए आगंतुकों का धन्यवाद अर्पित किया और कहा कि जहां भी हमारी जरूरत होगी हम हमेशा मौजूद रहेंगे ।समारोह में उपस्थित हुए प्रमुख पदाधिकारी,प्रदीप उपाध्याय (जिला उपाध्यक्ष), सनी उपाध्याय (जिला प्रभारी), मनीष सिंह (ब्लॉक संगठन प्रभारी), रोहित शर्मा (नगर सचिव), संतोष शर्मा (नगर संचालन प्रभारी), चंद्रेश जायसवाल (जिला संचालन प्रभारी), राज जायसवाल (जिला संरक्षक), जयप्रकाश यादव (ब्लॉक सचिव), सुनील कश्यप (जिला उपसचिव), अखिलेश अग्रहरि (नगर मीडिया प्रभारी), अलख निरंजन गौतम (ब्लॉक अध्यक्ष), अंकित मौर्य (जिला महामंत्री), मुहम्मद अली, उत्कर्ष गुप्ता, राजेश यादव, गौरव सिंह, समृद्ध यादव, प्रितेश सिंह बदलापुर ब्लॉक के नवनियुक्त कार्यकारिणी सदस्यः-मोतीलाल सोनी (ब्लॉक अध्यक्ष), अरुण सोनी (ब्लॉक सचिव), मुंशी रजा (ब्लॉक संरक्षक), राज बहादुर यादव (ब्लाक महासचिव), विष्णु जायसवाल (ब्लॉक संगठन मंत्री), डा.गामा प्रसाद (ब्लॉक संगठन प्रभारी), संजय मौर्य (ब्लॉक संचालन प्रभारी), अरविंद कुमार प्रजापति (ब्लॉक महामंत्री), विजय नाथ पांडेय (ब्लॉक उपाध्यक्ष), राकेश यादव (ब्लॉक संयोजक), विनय यादव, शिवकुमार यादव, विनोद कुमार शुक्ला, मारकंडेय चौहान, गुप्तेश्वर नाथ शुक्ला, अखिलेश चंद्र शुक्ला, वीरेंद्र कुमार यादव (फौजी) एवं साथ-साथ प्रशासन भी मौजूद रहा।

चोरी से ट्रक में गिट्टी लादकर ले जा रहे खनिज विभाग ने चालक को किया गिरफ्तार

थाना पिपरी को मिली बड़ी सफलता

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे।अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय क्षेत्राधिकारी पिपरी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक पिपरी के नेतृत्व मे आज दिनांक 07.08.2025 को समय 10.45 बजे खान निरीक्षक मनोज कुमार जनपद सोनभद्र व चौकी प्रभारी रेनुकूट राजेश चौबे मय हमराह का0 सुनील कुमार खरवार व का0 आशीष कुमार थाना पिपरी मेन गेट के सामने चेकिंग के दौरान एक अदद ट्रक नं0-वढ64इळ6540 मय 30.00 घन मीटर गिट्टी लदा हुआ व चालक/ आरोपी राम किशुन गौड़ पुत्र राम सुन्दर गौड़ निवासी ग्राम गुरमुरा, थाना-हाथीनाला, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 29 वर्ष चोरी से उप खनिज का परिवहन करते हुए।गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 -158/2025 धारा-303(2),317(2), इठर व 3/5 सार्वजनिकसम्पत्ती नुकसान निवारण अधिनियम, 4/21 खान खनिज अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नवनिर्मित बस अड्डा नहीं झेल पाया पहली बारिश

- बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में भी घटिया निर्माण कार्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रोडवेज बस अड्डे में हुए घटिया निर्माण की खुली कलई, पहली बारिश में ही धंसी नवनिर्मित रोडवेज की इंटरलॉकिंग, टूटी बाउंड्रीवाल, सात माह पूर्व परिवहन मंत्री ने किया था भव्य उद्घाटन।

बदलापुर कस्बे के सरोखनपुर गांव स्थित नवनिर्मित रोडवेज बस अड्डे में घटिया निर्माण की कलई पहली बारिश में ही खुल गयी। गुरुवार की रात हुई मूसलाधार बारिश के चलते इंटरलॉकिंग फर्श व तालाब की दीवार धंस गयी। जिससे भ्रष्टाचार किस कदर हुआ है इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। यही नहीं रोडवेज बस अड्डे में लगे एक दर्जन पंखे, जाली, सबमर्सिबल की फर्श भी धंस गयी है। आठ दिसम्बर 2024 को परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने पांच करोड़ 54 लाख 60 हजार की लागत से बने बस अड्डे का उद्घाटन किया था। अभी ठीक ढंग से बसों का संचालन भी नहीं शुरू हो सका है। गुरुवार की शाम से ही शुरू

हुई बारिश में रात में परिसर के बीचोबीच बने तालाब के चारों तरफ की दीवार में दक्षिण व पूर्व दिशा की पूरी दीवार लटक गयी है। ऐसा चहरदीवारी के किनारे-किनारे कई जगह देखने को मिल जायेगा है। यदि बस चालक सावधान नहीं रहे तो कहीं भी बस धंस सकती है। अब सवाल यह है कि जनता के टैक्स के पैसे से बने ऐसे निर्माण और विकाश में मानक और सुदृढ़ता का ख्याल क्यों नहीं रखा जा सकता इस सम्बन्ध में जब सम्बन्धित विभाग के जिम्मेदारों से पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साधने में ही अपनी भलाई समझी।

चेहल्लुम को लेकर थाना कोतवाली सदर में शांति समिति की हुई बैठक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आगामी चेहल्लुम को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना कोतवाली सदर जौनपुर में एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी (सीओ) सिटी ने की, जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट, क्राइम इंस्पेक्टर, कोतवाली प्रभारी के साथ-साथ विभिन्न चौकी प्रभारियों और मोहल्लों के सम्मानित गणमान्य नागरिक, ताजियादार, जुलूस आयोजक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में चेहल्लुम के अवसर पर निकलने वाले जुलूस, ताजिया, मातमी धुन, रास्ते, समय-सीमा, सुरक्षा व्यवस्था, बिजली व्यवस्था, साफ-सफाई, यातायात नियंत्रण, मेडिकल सुविधा और शांति व्यवस्था बनाए रखने जैसे विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न समुदायों और मोहल्लों से आए प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी समस्याएं और सुझाव प्रस्तुत किए। जिन्हें अधिकारियों द्वारा गंभीरता से सुना गया और समाधान भी निकाले गए।

सीओ सिटी ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क और संवेदनशील है तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या अराजकता फैलाने वालों पर सख्त नजर रखी जा रही है। सिटी मजिस्ट्रेट ने सभी से आपसी भाईचारा बनाकर शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की।

अंत में यह निर्णय लिया गया कि जुलूस समयबद्ध ढंग से निकाला जाएगा और सभी आयोजक प्रशासन से समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। पुलिस बल को संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया जाएगा। ड्रोन से निगरानी की व्यवस्था की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार मोबाइल मेडिकल टीम भी तैनात रहेगी।बैठक में सभी उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और शांति, सौहार्द एवं अनुशासनपूर्वक चेहल्लुम मनाने की प्रतिबद्धता जताई।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्ति के अद्वितीय अध्याय काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगाठ की शताब्दी महोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्ति के अद्वितीय अध्याय काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगाठ के शताब्दी महोत्सव के अवसर पर जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अगुवाई में कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह से गांधी तिराहे तक प्रभात फेरी निकाली गई और अम्बेडकर तिराहे पर गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जी और महात्मा गांधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। गोष्ठी के दौरान अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर मनोरमा मौर्या ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनेकों वीर जवानों की शहादत से यह आजादी मिली है इसे हमे अक्षुण्ण रखना है और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना रखना है जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में हर घर तिरंगा कार्यक्रम लगातार चल रहा है। काकोरी ट्रेन एक्शन के द्वारा बलिदानियों ने अंग्रेजों को चुनौती देने का कार्य किया था। आज उसी दिवस को याद किया जा रहा है और उन वीर सपूतों के बलिदान को याद किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, परियोजना निदेशक के के पाण्डेय अध्यक्ष नगर पालिका प्रतिनिध रामसूरत मौर्या, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर सहित अन्य उपस्थित रहे।

पर ब्लाक वन क्राप के तहत फूलगोभी की आधुनिक तरीके से खेती के दिये गये सुझाव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने के लक्ष्य में उद्यानिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिसके लिए राज्य भर में 700 विकासखंडों का चयन किया गया है। जनपद जौनपुर के खुटहन, बदलापुर और मछलीशहर ब्लॉक में पर ब्लाक वन क्राप कार्यक्रम का आयोजन 7 अगस्त, 2025 को किया गया। कार्यक्रम के तहत, जिला उद्यान अधिकारी डॉ. सीमा सिंह राणा ने ग्राम फिरोजपुर विकासखण्ड खुटहन में किसानों को बताया कि यहां फूलगोभी की अधिक खेती के दृष्टिगत फूलगोभी का चयन छाद्यपर ब्लाक वन क्राप के अन्तर्गत किया गया है। उद्यान विभाग में पंजीकरण करारक निःशुल्क सब्जी बीज प्राप्त कर सकते है तथा हाईटेक नर्सरी कृषि विज्ञान केन्द्र बक्शा में अपने स्वयं के बीज देकर रू0 1.70 प्रति पौधे की दर से अच्छे और स्वस्थ पौधे प्राप्त कर सकते हैं। जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी, ब्रोकली, टमाटर, मिर्च, खीरा, शिमला मिर्च, करैला आदि सब्जियों के पौधे प्राप्त कर सकते है। इसका उद्देश्य किसानों की आय को दोगुना करना है। वैज्ञानिक तरीके से किसान मल्चिंग विधि के साथ ड्रिप, इरीगेशन का प्रयोग करके सब्जी का उत्पादन और पौधे बढा सकते हैं जिससे उनकी आय में और वृद्धि होगी। गोष्ठी में उपस्थित कृषक द्वारा बताया गया कि फूलगोभी का अधिक उत्पादन होने के बाद बाजार मूल्य कम हो जाता है। इसके लिए, किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री खाद्य सूक्ष्म उद्योग उन्नयन योजनान्तर्गत किसान भाई आचार, चटनी, मुरब्बा इत्यादि खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां लगाकर उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त कर सकते है। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयो के स्थापना पर 35 प्रतिशत अनुदान देय है। इसके अतिरिक्त, यह भी स्पष्ट किया गया है कि पारंपरिक फसलों की तुलना में उद्यानिकी फसलें प्रति एकड़ अधिक उत्पादन और आय देती हैं। इनका छोटा जीवनचक्र होने के कारण ये प्रसंस्करण, निर्यात और कृषि उद्यमिता से सीधे जुड़ती हैं। इस पहल से किसानों की आय में वृद्धि होगी। साथ ही नर्सरी, कोल्ड चेन, प्रोसेसिंग और खुदरा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और राज्य की कृषि जीडीपी में भारी वृद्धि होगी। गोष्ठी में योजना एकीकृत बागवानी विकास मिशन अन्तर्गत सब्जी के किसानों का, ड्रैगन फ्रूट व पालीहाउस में कृषको का चयन भी किया गया है।

अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्तियाँ तुरंत वितरित किया जाय: डॉ. हेमंत सावरा

वसई रोड। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि केंद्र सरकार की उत्तर-माध्यमिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए केंद्र सरकार के हिस्से के रूप में 42.45 करोड़ की छात्रवृत्ति अनुदान राशि जल्द से जल्द वितरित की जाए। इस संबंध में, डॉ. हेमंत सावरा ने केंद्रीय जनजातीय विकास मंत्री जुएल ओराम को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस ज्ञापन में, संबंधित विभाग को धनराशि तुरंत वितरित करने का निर्देश देने की माँग की गई है। महाराष्ट्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए छात्रवृत्ति योजना का प्रस्ताव पहले ही केंद्र सरकार को प्रस्तुत कर दिया है। इसमें वर्ष 2025-26 के लिए 28.05 करोड़ (केंद्रीय अंश 75%), वर्ष 2024-25 के लिए देय 14.40 करोड़ केंद्र सरकार से अभी तक कुल 42.45 करोड़ प्राप्त नहीं हुए हैं। सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि यदि यह धनराशि शीघ्र वितरित कर दी जाए, तो हजारों आदिवासी छात्रों की शिक्षा में कोई बाधा नहीं आएगी और उन्हें समय पर आवश्यक वित्तीय सहायता मिल सकेगी।

वाराणसी में बाढ़ राहत: एनडीआरएफ की टीमें सक्रिय, राहत सामग्री का वितरण जारी

वाराणसी(उत्तरशक्ति) जनपद में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण वाराणसी के निचले इलाकों नक्की घाट, कोनिया, शास्त्री ब्रिज, और डोमरी में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इन क्षेत्रों में जलभराव के चलते यातायात, बिजली, पेयजल, और अन्य आवश्यक सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं जिससे स्थानीय निवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है इस संकट की घड़ी में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 11वीं वाहिनी, वाराणसी, पूर्ण समर्पण के साथ राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई है। उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के नेतृत्व में एनडीआरएफ की टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दिन-रात राहत कार्यों में संलग्न हैं वाराणसी में बाढ़ राहत: एनडीआरएफ की टीमें सक्रिय, राहत सामग्री का वितरण जारीस्थानीय प्रशासन, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, और अन्य संबद्ध एजेंसियों के सहयोग से एनडीआरएफ ने त्वरित गति से राहत अभियान शुरू किया है। प्रभावित परिवारों को खाद्य पैकेट और अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया जा रहा है। इस अभियान में रोटरी क्लब वाराणसी रॉयल्स और सेंट जॉन्स मढ़ौली एलुमनाई एसोसिएशन ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रोटरी क्लब ने न केवल राहत सामग्री उपलब्ध कराई, बल्कि क्लब अध्यक्ष रोटेरियन वरुण मुद्रा और रोटेरियन पुष्प अग्रवाल ने स्वयं राहत वितरण में हिस्सा लेकर समाजसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। वाराणसी में बाढ़ राहत एनडीआरएफ की टीमें सक्रिय, राहत सामग्री का वितरण जारी यह महानिरीक्षक ने कहा कि एनडीआरएफ का उद्देश्य आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल राहत और सुरक्षा प्रदान करना है।

डीएवी की छात्राओं ने सीडीपीओ को बांधा रक्षा का सूत

सिवान (उत्तरशक्ति) बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में अनुमंडलीय शहर के उमाशंकर चंपा देवी डीएवी पब्लिक स्कूल में भाई-बहनों के प्रेम, स्नेह एवं रक्षा का प्रतीक त्योहार 'रक्षाबंधन' पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुतियों से सभी को आनंदित कर दिया। रक्षाबंधन के पूर्व विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाषण, नृत्य,गीत, एवं विविध प्रस्तुतियों से अपनी समृद्ध संस्कृति एवं संस्कार से अवगत कराया। वहीं विद्यालय की सातवीं की छात्रा सान्वी कुमारी ने इसे समझो ना रेशम का तार भैया' गीत गाकर सभी को भावुक कर दिया। विद्यालय की छात्राओं ने एसडीपीओ महाराजगंज, महाराजगंज, अस्पताल महाराजगंज एवं थाना महाराजगंज के प्रशासनिक अधिकारियों एवं पदाधिकारियों को राखी बाँधकर अपने समृद्धिशाली संस्कृति एवं गौरवशाली परंपरा का अद्भुत मिसाल दिया। सभी आगंतुकों को दीर्घ जीवन की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरपर्सन ईंजी० सुरेन्द्र कुमार सिंह, ने सभी बच्चों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित किया। इस पावन पर्व पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ विजय कुमार साहू ने बच्चों को भाई- बहनों में परस्पर प्रेम, सौहार्द एवं संपूर्ण सुरक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

घोड़बंदर और ठाणे के बीच घाट रोड की मरम्मत का काम शुरू

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका द्वारा 8 अगस्त 2025 की रात 12.01 बजे से 10 अगस्त 2025 की मध्यरात्रि तक काम किया जाएगा। सड़कों की मरम्मत के काम के दौरान महानगरपालिका ने उक्त स्थान पर दमकल और एम्बुलेंस रखने की व्यवस्था की है। उक्त मरम्मत का काम ग्रेवलिंग, ग्राउंडिंग के माध्यम से किया जाएगा। और उसके बाद मास्टरिक डामर का काम किया जाएगा। उक्त सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 48 पालघर विरार से ठाणे जे.एन.पी.टी. पुणे मुंबई मार्ग है और वहां बड़ी मात्रा में यातायात होता है। उक्त सड़क की मरम्मत के काम के लिए मीरा-भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय ने 5 अगस्त 2025 की अधिसूचना जारी की है और भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। वसई-विरार, पालघर से मुंबई और ठाणे जाने वाले वाहनों के भारी ट्रैफिक के कारण, वाहनों को पहुँचने में समय लगेगा। महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड ने भायंदर और वसई के बीच रो-रो सेवा शुरू कर दी है। दिनांकः महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड को वसई और भायंदर के बीच रो-रो सेवा की आवृत्ति 8 अगस्त 2025 से बढ़ाकर 10 अगस्त 2025 करने की जानकारी दी गई थी। तदनुसार, उन्होंने रो-रो सेवा की आवृत्ति बढ़ाकर एक संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की है। कृपया इस पर आप सभी नागरिक ध्यान दें।

वन देवी की पूजा में दिखी गोंड आदिवासी संस्कृति की भीड़

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज, प्रखंड के बंगरा गांव में शुक्रवार को जिला स्तरीय गोंड आदिवासी समाज का वन देवी पूजन समारोह का आयोजन छब्बीला गोंड की अध्यक्षता में किया गया। अखिल भारत वर्षीय गोंड महासभा के तत्वाधान में आयोजित वन देवी पूजा समारोह में गोंड आदिवासी संस्कृति की झलक देखने को मिली। परंपरागत तरीके से वनदेवी माता की पूजा-अर्चना की गई। हवन किया गया। गोंड समुदाय के महिला पुरुष पूजा समारोह स्थल से आदिवासी गौंडऊ बाजा हुरका के साथ गोंडऊ नृत्य करते हुए मौनिया बाबा स्थान पर गए। इस दौरान पूरा क्षेत्र वन देवी के जयकारे से गूंज उठा था। गोंड महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार गोंड ने कहा कि हम प्रकृति के पूजक है। हमारा समाज प्रकृति को मानता है। हम न नास्तिक हैं और न ही आस्तिक हैं। हम व हमारा समाज वास्तविक है। जो सच्चाई के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता है। उन्होंने कहा कि वन देवी पूजा हमारे संस्कृति की पहचान है। यह पूजा हमारी आन-बान व शान है। प्रकृति की रक्षा को ले प्रतिवर्ष पूजा का आयोजन करते हैं। राज्य कार्यकारिणी सदस्य राजा धन साह ने कहा कि जल, जंगल व जमीन हमारी पहचान है। इसे हमलोगों को बेदखल नहीं किया जाए। जल, जंगल व जमीन को क्षति पहुँचाकर आदिवासियों को विनाश की ओर धकेला जा रहा है। इसे सरकार को बचाना चाहिए। मौके पर परशुराम साह, बाल कुंवर साह, भरत साह, शंभू साह, राम बहादुर प्रसाद, रामाधार साह, कन्हैया साह, कौशलेंद्र साह, जितेंद्र साह, विक्रमा गोंड, छबीला गोंड, स्वामीनाथ गोंड, रामएकबाल गोंड व विष्णुदेव साह, चंद्रमा गोंड, भोला गोंड, जगन्नाथ गोंड, प्रिंस गोंड, अभिमन्यु गोंड, विक्की गोंड, प्रियंका कुमारी, रानी कुमारी, गुड़िया कुमारी, लालपति देवी, लालझरी देवी, बरफी देवी, भागमनी देवी, प्रियांशु गोंड, श्रीकांति देवी, अंजली व प्रिया व ब्रम्हदेव गोंड आदी मौजूद थे।

भाई बहन के पवित्र रिश्तों का पर्व है रक्षा बंधन: आदेश मिश्र

मुंबई। रक्षाबंधन एक ऐसा त्योहार है जिसे बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार भाई और बहन के पवित्र स्नेह,प्रेम और सम्मान का अटूट बंधन है। रक्षाबंधन को सबसे खास इसलिए माना जाता है क्योंकि इसमें भाई- बहन के रिश्तों की मिठास झलकती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को हर साल रक्षाबधंन का पर्व मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर एक खास राखी बांधती हैं, जो सुरक्षा का प्रतीक होती है. राखी बांधने के बाद बहनें भाई की लंबी उम्र और खुशहाली की प्रार्थना करती हैं। और भाई अपनी बहन की रक्षा कवच का वचन देते हुए उपहार देते हैं। भाई बहन के पवित्र रिश्ता और स्नेह का प्रतीक रक्षा बंधन पर्व पर सभी भाई और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं।

ToyBoi द्वारा आयोजित रक्षाबंधन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

भोपाल। ToyBoi, अपने दूरदर्शी निदेशकों विकास शर्मा, राहुल तिवारी एवं दीपेश निगम के नेतृत्व में, भोपाल स्थित अपनी नवस्थापित निर्माण इकाई में एक हृदयस्पर्शी रक्षाबंधन समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन महिलाओं को सशक्त बनाने, सैकड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करने और मेक इन इंडिया के सपने को साकार करने की कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। इस विशेष अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल , विधायक सुरेंद्र पटवा एवं डॉ. प्रभुराम चौधरी , पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, ज़िला अध्यक्ष राकेश शर्मा तथा प्रमुख सचिव (डीपीआईआईटी एवं एमएसएमई) राघवेंद्र कुमार सिंह ने भी आयोजन की गरिमा बढ़ाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने स्वयं महिला कर्मचारियों को साड़ियाँ भेंट कीं और उन्हें ToyBoi की विकास और नवाचार यात्रा में भागीदारी हेतु प्रेरित किया। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि ToyBoi की सफलता केवल उसके निर्माण कौशल में नहीं, बल्कि समुदाय को सशक्त बनाने की उसकी अटूट निष्ठा में निहित है। ToyBoi ने एक बार फिर सिद्ध किया कि वह भारत के गौरवपूर्ण भविष्य के निर्माण में पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ अग्रसर है।

डीइओ के निरीक्षण में दो शिक्षकों से मांगा स्पष्टीकर

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में जिला शिक्षा पदाधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिवान द्वारा प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय, महाराजगंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय (पुराना भवन) में उमाशंकर प्रसाद उच्च विद्यालय के शिक्षक नागेंद्र राम, संतोष कुमार साह को बिना सूचना प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में अनावश्यक रूप से उपस्थित पाया गया ।जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा पूछने पर दोनों शिक्षकों द्वारा बताया गया कि सक्षमता का फार्म जमा करने हेतु कार्यालय आए हैं । विद्यालय में प्रधानाध्यापक को बोल कर आए हैं । जबकि विद्यालय अवधि में विद्यालय से बाहर नहीं रहने का स्पष्ट निदेश है। दोनों शिक्षकों से 24 घंटे के अंदर उक्त आशय के संबंध में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है। स्पष्टीकरण में तीन दिन का वेतन कटौती कि क्यों न आप दोनों का 3 दिन का वेतन कटौती करते हुए अग्रेतर कार्रवाई हेतु वरीय पदाधिकारी को सूचित करने की बात कही गई है।

ताडदेव की इमारत वेलिंग्टन मामले को हल कराने के लिए गोपाल शेट्टी ने बीएमसी कमिश्नर को लिखा पत्र

मुंबई। उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मुंबई महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगराणी को पत्र लिखकर ताडदेव परिसर की बहुचर्चित वेलिंग्टन इमारत के 17 से 34 महले के बांधकाम व उससे संबंधित अग्निशमन दल की एनओसी के संदर्भ में मुंबई उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में गत अनेक वर्षों से जारी मामले की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि वेलिंग्टन इमारत के लोगों की भावना, उनके डर व मानसिक तनाव को ध्यान में रखते हुए मैं स्वयं अग्निशमन दल के वरिष्ठ अधिकारी तथा अपनी राजनीतिक पार्टी के नेता व पालकमंत्री मंगल प्रभात लोढा की सूचनानुसार लगातार इस मामले को हल करवाने की दिशा में प्रयासरत रहा हूं । इमारत के निवासी, आर्किटेक्ट की सहायता से इमारत को नियमित कराने के लिए तथा अग्निशमन दल का नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी प्रक्रियाओं को पूरा भी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले समय में न्यायालय के आदेश के अनुसार महानगरपालिका में 16 लाख की राशि भी जमा की है, तथा अग्निशमन दल द्वारा निर्धारित सभी शर्तों की पूर्ति की लिखित जानकारी भी दे दी है। इसके अलावा, इमारत प्रस्ताव विभाग ने भी पूरे निर्माण का निरीक्षण करके Fungible Area और FSI को नियमित करने के लिए रिपोर्ट तैयार किया है। पहले के कानून के अनुसार नियमित बांधकाम आज के प्रचलित नियमों के अनुसार अतिरिक्त राशि भरकर नियमित करने के लिए प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया है। इन सभी तकनीकी मुद्दों की पूर्ति होने के बावजूद, न्यायालय में मामले का सकारात्मक निर्णय अभी तक नहीं मिला है, जिसके कारण मामले को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए अब आपका सक्रिय नेतृत्व अत्यंत आवश्यक है। मेरे विचार में, न्यायालय को भी यह उम्मीद होगी कि निवासियों को कोई नुकसान न हो और उनके जीवन को कोई खतरा न हो। लोगों द्वारा वर्षों से फायर एनओसी और ओसी प्राप्त नहीं करने के कारण ही न्यायालय ने शायद नाराजगी व्यक्त की होगी। जनसेवक शेट्टी ने आगे लिखा है कि मैंने स्वयं मंगल प्रभात लोढा जी के निदेर्शानुसार वेलिंग्टन इमारत का दौरा किया है और संपूर्ण परिस्थिति का अवलोकन किया। इस दौरे के बाद मैंने तुरंत भारतीय जनता पार्टी के मुंबई अध्यक्ष आशिष शेलार जी से और जलगांव दौरे पर गए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से फोन पर संपर्क किया। मुख्यमंत्री ने तुरंत मुझे मिलने की सलाह दी और उसी अनुसार मैंने उनसे मुलाकात भी की। आपने भी परिस्थिति की गंभीरता को देखते हुए इस संदर्भ में योग्य विचार विनिमय किया। अब आपसे विनंती है कि आगामी आठ दिनों में इस प्रकरण में संबंधित दोनों विभागों से विस्तृत अहवाल लेकर अंतिम मंजुरी भी दें, अन्यथा इस इमारत के ही नहीं अपितु संपूर्ण मुंबई में ऐसी अनेक इमारतों के नागरिक भयग्रस्त हो सकते हैं और उनके जीवन में अनावश्यक अस्थिरता निर्माण हो सकती है।

मणिपाल हॉस्पिटल, धाकुरिया ने ऑर्गन-स्पेसिफिक विशेषज्ञता और फ्री सेकंड ओपिनियन पहल के साथ कैंसर देखभाल को किया और सशक्त

मुंबई। पूर्वी भारत के अग्रणी मल्टी-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य संस्थानों में से एक, मणिपाल हॉस्पिटल, धाकुरिया ने आज एक विशेष ऑन्कोलॉजी मीट का आयोजन किया, जिसमें कैंसर सर्वाइवर, केयरगिवर और देश के प्रतिष्ठित ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ एक ही मंच पर एकत्र हुए। इस कार्यक्रम में जहां सर्वाइवर्स की अदम्य जिजीविषा का जश्न मनाया गया, वहीं हॉस्पिटल के अत्याधुनिक ढांचे और समग्र कैंसर देखभाल क्षमताओं को भी प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर, मणिपाल हॉस्पिटल, धाकुरिया ने ऑर्गन-स्पेसिफिक ऑन्कोलॉजी सेवाओं की शुरूआत की घोषणा की, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित और विशेष कैंसर उपचार प्रदान करना है। इसके साथ ही, हॉस्पिटल ने कैंसर मरीजों के लिए फ्री सेकंड ओपिनियन परामर्श पहल भी शुरू की, जो मरीज-प्रथम, पारदर्शिता और सुलभता के सिद्धांत को और मजबूत करती है। कार्यक्रम में मणिपाल हॉस्पिटल, धाकुरिया के 10 समर्पित ऑन्कोलॉजिस्ट्स की टीम मौजूद रही, जो विभाग की मजबूती और टीमवर्क को दशार्ती है। कार्यक्रम में बोलते हुए, डॉ. शुभायु बनर्जी ने कहा, यह मीट सिर्फ सर्वाइवल का जश्न नहीं, बल्कि कैंसर देखभाल में हमारी अब तक की यात्रा का उत्सव है। कैंसर अब वन-साइज-फिट्स-ऑल बीमारी नहीं है। ऑर्गन-स्पेसिफिक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञता और अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाओं के साथ हम प्रत्येक मरीज को उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार सटीक, व्यक्तिगत और प्रभावी उपचार प्रदान कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य है–हर मरीज को सही समय पर, सही टीम के साथ, सही इलाज उपलब्ध कराना। ऐसे आयोजन मरीजों की ताकत और हमारी प्रतिबद्धता, दोनों का जश्न मनाते हैं।

मीन को रोक सूची से मुक्त रखने को लेकर डीएम को दिया आवेदन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज, स्थानीय अनुमंडल क्षेत्र के दारौंदा थाना क्षेत्र के करसौत गांव निवासी गौरी शंकर के पुत्र सुनील कुमार सिह, ने डीएम सीवान को दिए गए आवेदन में कहा है कि मेरे भावे निर्मला देवी के नाम जमाबंदी संख्या 486/603 अचल-गौरेयाकोठी ग्राम- आज्ञा थाना नंबर 113 (खाता 02 सर्वे 725, 727 रकवा 5 कठा 15 धुर जमीन है ।जिसको अंचल कार्यालय गोरिया कोठी द्वारा रोक पंजी में डाल दिया गया है। रोक पंजी से हटाने हेतु आपको, को लेकर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री महोदय पटना को आवेदन सुनील कुमार द्वारा 17 जुलाई 20 24 में दिया गया है । मुख्यमंत्री को 14 जून 2025 को दिया गया है । लेकिन कोई प्रगति नहीं हो पाई है । आवेदक सुनील कुमार ने पुनः डीएम को आवेदन देकर जमीन कराक सूची से मुक्त करने की मांग की है।

पर्यटन इंडस्ट्री को फिर से पटरी पर लाने देश विदेश के 50 दूर ऑपरेटरों की जुटान कल से

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में दरिज्म गिल्ड एवं उत्तर प्रदेश वाराणसी। देश विदेश के 50 से अधिक दूर आपरेटर एवं ट्रैवेल एजेंसियों की जुटान 10 से 14 अगस्त तक काशी में पर्यटन की ओर से यह पहल की जा रही है। जिसमें बौद्ध और हिंदुओं के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को जोडने की कवायद की जाएगी। उक्त बाते शुक्रवार को मलदहिया स्थित होटल हिन्दुस्तान इंटरनेशनल में गिल्ड एवं यूपी टूरिज्म आपरेटरों के लिए 4 दिन की यों में पत्रकारों से बाली खायोजित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 10 अगस्त को के सुभाष कपूर ने बताया कि दूर मलदहिया स्थित एचएआई में शादिय एवं रोड औरे शाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें वाराणसी के कई अकादमिक विद्वानों, होटेलियर्स एवं पर्यटन के जानकारों के व्याख्यान होंगे। शाम 7 बजे रोड शो का आयोजन होगा जिसमें प्रोजेक्टर के माध्यम से वाराणसी एवं इसके आसपास के टूरिस्ट स्थलों का प्रदर्शन किया जाएगा। वाराणसी के मंडलायुक्त एस. राजलिंगम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे ।यही विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश पर्यटन के संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार एवं इण्डिया टूरिज्म के डिप्टी डायरेक्टर पाव्स प्रतून उपस्थित रहेंगे ।गिल्ड के सचिव सौरभ पाण्डेय ने बताया कि फैम ट्रिप में हिन्दू और बौद्ध सर्किट को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में 10 विदेशी टूर ऑपरेटर आ रहे है जो। कंबोडिया, थाईलैंड, मलेशिया, वियतनाम देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं 40 से अधिक टूर ऑपरेटर भारत के विभिन्न हिस्सों जैसे दक्षिण भारत, मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता, पुणे, जयपुर आदि महानगरों से आ रहे है। उन्होंने यह भी बताया कि अतिथियों को दूसरे दिन 11 अगस्त को वाराणसी एवं आसपास के पर्यटन स्थलों का स्थलीय भ्रमण कराया जाएगा। 13-14 अगस्त को बौद्ध सर्किट के क्षेत्र जिसमे बोधगया आदि क्षेत्र का भ्रमण कराया जाएगा।

प्लेटिनम का उपहार देकर रक्षाबंधन की खुशी बढ़ाएं

मुंबई। रक्षाबंधन भाई-बहनों के रिश्ते में अटूट प्यार, शक्ति और स्नेहपूर्ण नोंकझोंक का त्योहार है। इस त्योहार पर उपहार का विशेष महत्व है, जो भाई-बहन के बीच प्रेम बढ़ाने, नई यादें बनाने और पुरानी यादों को संजोकर रखने में मदद करता है। उपहारों को अर्थ प्रदान करने में प्लेटिनम ज्वेलरी की भूमिका महत्वपूर्ण हो रही है। प्लेटिनम ज्वेलरी रिश्तों में भावनाओं, मजबूत इरादों और स्थायी संबंधों की अभिव्यक्ति बनती जा रही है। अपनी दुर्लभ शुद्धता (95% प्लेटिनम से बनी) और मजबूत शक्ति के लिए मशहूर, प्लेटिनम ज्वेलरी युवाओं के दिलों में अपनी जगह बनाती चली जा रही है, जो व्यक्तित्व और आत्माभिव्यक्ति को सर्वोपरि मानते हैं। बेहतरीन डिजाईन, बहुमूल्यता और दुर्लभता के साथ यह ज्वेलरी मूल्य के मामले में भी अद्वितीय है। इसलिए प्लेटिनम एक अर्थपूर्ण उपहार है। यह अनेक डिजाईन और मूल्यों में उपलब्ध होता है। प्लेटिनम की प्राकृतिक सफेद चमक गुजरते समय के साथ कभी भी धूमिल या फींकी नहीं पड़ती। इसलिए प्लेटिनम ज्वेलरी सही मायने में क्लासिक है। चाहे मिनिमल डिजाईन में बहन के लिए उपहार लेना हो या फिर भाई को स्टेटमेंट पीस उपहार में देना हो, प्लेटिनम हर अभिव्यक्ति के लिए उत्तम है। स्लीक ब्रेसलेट से लेकर सुंदर चेन तक, प्लेटिनम से बना हर डिजाईन आधुनिक फिनिश के साथ तैयार किया गया है, जो प्रतिदिन पहनने के लिए उपयुक्त है। प्लेटिनम केवल एक उपहार नहीं है, बल्कि यह एक एहसास है। वह एहसास, जो हमें याद दिलाता है कि यह रिश्ता दुर्लभ है और हमेशा ऐसे ही बना रहेगा। इस रक्षाबंधन के अवसर पर मेन ऑफ प्लेटिनम के बोल्ड और लचीले डिजाईन या प्लेटिनम इवारा द्वारा महिलाओं के लिए सुंदर और अभिव्यक्तिपूर्ण डिजाईन का विस्तृत कलेक्शन उपलब्ध है।

जौनपुर में भारी बारिश के चलते रेस्टोरेंट की इमारत ढही, बाल-बाल बचे लोग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में गुरुवार की रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण लाइनबाजार थाना क्षेत्र के वाजिदपुर तिराहे के समीप एक रेस्टोरेंट की इमारत अचानक गिर गई। गनीमत यह रही कि घटना के समय रेस्टोरेंट में कोई नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेस्टोरेंट का निर्माण मानकों को दरकिनार कर किया गया था। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जिला प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। शहर में कई इमारतें ऐसी हैं जो मानकों को अनदेखा कर बनाई गई हैं। रेस्टोरेंट का बचा हुआ हिस्सा गिरने से रोकने के लिए क्रेन का सहारा लिया गया है। इमारत गिरने का दृश्य राहगीरों ने अपने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

अर्दली बाजार- टकटकपुर मार्ग का होगा चौड़ीकरण

वाराणसी(उत्तरशक्ति) ।जनपद के अर्दली बाजार स्थित महावीर मंदिर से टकटकपुर होते हुए भोजूवीर सिंधोरा मार्ग को जोड़ने वाली सड़क का चौड़ीकरण होगा। राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग को भेजा है। करीब 2 किलोमीटर लंबे मार्ग पर वाहनों का दबाव ज्यादा है गाजीपुर और आजमगढ़ से पांडेयपुर होकर आने वाले वाहनों को नाटीनियादाई, बड़ा लालपुर, मदार्हा आयर , गरथमा सिंधोरा समेत थाना गद्दी केराकत जाना होता है। इस मार्ग चौड़ाई अभी करीब 6 मीटर है। इस बारे में पीडब्ल्यूडी एक्सईएन के.के सिंह ने बताया कि यह सड़क नगर निगम की है चौड़ाई बढ़ाने से पहले नगर निगम से एनओसी लिया जाएगा। नापी के बाद ही सड़क का चौड़ीकरण तय होगा।